The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

(6)

नई बिल्ली, शनिवार, मई 31, 1975 (ज्येव्ट 10, 1897)

No. 6] A

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 31, 1975 (JYAISTHA 10, 1897)

इस भाग में निस पुष्ठ संख्या वी आती है जिससे कि वह जलन संख्यान के अथ में रखा था सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliction.

भाग I-- वर्ण 3

PART I-SECTION 3

रक्ष मंत्रालय द्वारा कारी की वर्ष विकास नियमों, विनियमों, जादेशों और संकारों से संव्यक्तित स्विश्वनाएं
[Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by
the Ministry of Defence]

रक्षा मंद्रालय

नई दिल्ली, विनांक 31 मई 1975

सं० 9, दिनांक 23 अप्रैल, 1975— भारतीय सेना प्रकादमी, नौ-सेना ध्रकादमी तथा ध्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रवेश के लिए संघ लोक सेवा ध्रायोग द्वारा एक संयुक्त परीक्षा ली जाएगी जिसके स्थानों धौर तारीखों का उल्लेख ध्रायोग द्वारा इस विषय में जारी की जाने वाली सूचना में कर दिया जाएगा। पाठ्यक्रमों की संख्या धौर उनके ध्रारंभ होने के महीने तथा परीक्षा के परिणामों के आधार पर प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उपलब्ध रिक्त स्थानों की धनुमानित संख्या भी ध्रायोग द्वारा जारी की जाने वाली सूचना में निध्चित कर दी जाएगी।

2. "भारतीय सेना श्रकादमी", देहरादून, "नौसेना श्रकायमी" कोचीन श्रौर प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास, में प्रवेश "संघ लोक सेवा श्रायोग" द्वारा ली जाने वाली लिखित परीक्षा धौर "सेना सेलेक्शन बोर्ड" द्वारा लिए जाने वाले इण्टरच्यू के परिणाम के श्राधार पर होगा । 83GU75

- 3. भारतीय सेना श्रकादमी या नौ-सेना श्रकादमी में भर्ती होने के बाद उस उम्मीदवार के विषय में किसी अन्य कमीशन के लिए विचार नहीं किया जाएगा । भारतीय सेना श्रकादमी या नौसेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुन लिए जाने के बाद किसी श्रन्य इन्टरव्यू या परीक्षा में प्रवेश पाने की भी उन्हें मनुमति नहीं दी जाएगी ।
- 4. श्रस्प कालीन सेवा कमीशन (गैर-तकनीको) पाठ्यक्रम की प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के लिए किसी भी उम्मीदवार को तीन से श्रधिक श्रवसर नहीं दिए जाएंगे । यह प्रतिबन्ध श्रत्पकालीन सेवा कमीशन (गैर-तकनीको) के लिए दिसम्बर, 1973 में हुई परीक्षा से लागू किया गया है।

विष्पणी:—िकसी भी उम्मीदवार का प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेना तभी माना आएगा जबकि उसने एक या प्रधिक विषयों में वास्तव में परीक्षा दी हो ।

5 भारतीय सेना अकादमी पाट्यकम और/अथवा नौ-सेना ग्रकादमी पाठ्यकम के लिए उम्मीदवार प्रविवाहित होना आवश्यक हैं और श्रत्पकालीस सेवा कमीशन (गैर-तकनीकी) पाठ्यकम के लिए उम्मीदवार पुरुष होना चाहिए ।

- (क) भारत का नागरिक या,
- (ख) सिक्किम की प्रजाया,
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) नेपाल की प्रजा,
- (ङ) मूल रूप से भारतीय हो श्रीर भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका श्रीर पूर्वी अफीका के केनिया, यूगांडा तथा संयुक्त तंजानिया गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका श्रीर जंजीवार) देशों से श्राया हो ।

उपर की (घ) तथा (ङ) कोटियों के ग्रन्तर्गत माने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार बारा दिया गया पासता प्रमाण-पल होना चाहिए । किन्सु उन उम्मीदवारों के मामले में, जो कि नेपाल के गोरखा नागरिक हों, परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता प्रमाण-पल्ल की श्रावश्यकता नहीं है ।

परीक्षा में उस उम्मीदबार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पास्तता प्रमाण-पत्न श्रावश्यक हो और उसे इस कर्त पर श्रकादमी या स्कूल में श्रस्थायी रूप से भर्ती भी किया जा सकता है— कि सरकार उसे श्रपेक्षित प्रमाण-पत्न दे देगी ।

टिप्पणी: ऐसे व्यक्तियों की जिसने भ्रपनी पत्नी की तलाक दे दिया हो, उपर्युक्त नियम के लिए श्रविवाहित पुरुष नहीं माना जा सकता ।

6. निर्धारित शारीरिक योग्यता स्तर के अनुसार उभ्मीव-बार को शारीरिक रूप से स्वस्थ्य होना चाहिए।स्वस्प्ता का मानक अधिसूचना के परिशिष्ट III में विदा गया है।

परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से ग्रधिकांश उम्मीदवार बाद में डाक्टरी जांच के ग्राधार पर ग्रस्वीकार कर दिए जाते हैं। इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि ग्रपने हित में वे, परीक्षा में प्रवेश का ग्रावेदन-पत्न देने से पूर्व ग्रपनी डाक्टरी जांच करवा लें। ताकि ग्रन्तिम स्तर पर उन्हें निराश न होना पडे।

सेना सेलेक्शन बोर्ड द्वारा सिकारिश किए गए योग्य उम्मीदवारों में से श्रिधिकांश की सेना डाक्टरी बोर्ड द्वारा जांच की जाएगी। इस उम्मीदवार को, जिसे डाक्टरी बोर्ड योग्य घोषित नहीं करेमा, धकादमी या श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती नहीं किया जाएगा। सेना डाक्टरों के बोर्ड द्वारा डाक्टरी जांच हो जाने का यह श्रर्थ न लगाया जाए कि उम्मीदवार को श्रन्तिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है तथा उसे किसी पर प्रकट नहीं किया जा सकता। धयोग्य/श्रस्थायी रूप से श्रयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणामों की सूचना, योग्यता प्रमाण पद्म भौर श्रपील प्रस्तुत करने की प्रिक्रिया के साथ दे दी जाती है। चिकित्सा बोर्ड के परिणाम के विषय में की गई प्रार्थना पर चिकित्सा बोर्ड के परिणाम के विषय में की गई प्रार्थना पर चिकित्सा बोर्ड के परिणाम के विषय में की गई प्रार्थना पर चिकित्सा बोर्ड के परिणाम के विषय में की गई प्रार्थना पर चिकित्सा बोर्ड के प्रध्यक्ष द्वारा कोई विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को उनके हिल में यह सलाह दी जाती है कि यैंदि उनकी दृष्टि निर्धारित स्तर तक की न हो तो सेना सेलेक्शन बोर्ड द्वारा इन्टरव्यू/डाक्टरी जांच के लिए बुलाए जाने पर वे श्रपने सही चश्में साथ ग्रवश्य लाएं ।

7. भारतीय सेना श्रकादमी पाठ्यक्रम ग्रथवा नौ-सेना श्रकादमी पाठ्यक्रम के उम्मीदवारों को यह वचन देना होगा कि उनका प्रशिक्षण पूरा होने तक वे शादी नहीं करेंगे। श्रावेदन पत्र देने के बाद शादी कर लेने वाले उम्मीदवार को, इस परीक्षा श्रथवा इसके बाद की श्रन्य परीक्षा में सफल हो जाने के बावजूद भी प्रशिक्षण के लिए नहीं चुना जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान शादी करने वाले उम्मीदवार को सेवा मुक्त कर दिया जाएगा और सरकार द्वारा उस पर खर्च की गई राशि भी वापस करनी होगी।

अल्पकालीन सेवा कर्मींशन और (गैर-तकनीकी) पाठ्यकंप का ऐसा कोई भी उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल/अल्पकालीन सेवा कनीशन में प्रवेश पाने का पात्र न होगा जिसने—

- (क) ऐसी महिला से शादी कर ली हो श्रयवा उसके लिए करार कर लिया हो जिसका पति जीवित हो, या
- (क) जिसकी एक पत्नी जीवित हो और उसने किसी अन्य महिला से गादी कर ली हो मा उसके लिए करार कर लिया हो ।

यित केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि स्वीय विधि के श्रन्तर्गत ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति के लिए श्रीर विवाह के दूसरे पक्ष के लिए श्रनुक्रेय है श्रीर ऐसा करने के लिए श्रन्य ठोस कारण भी हैं, तो ऐसी स्थिति में किसी भी व्यक्ति को इन नियमों में छूट दी जा सकती है ।

8. भारतीय सेना-प्रकादमी और नौ-सेना प्रकादमी के उम्मी-ववारों की भामु 19 वर्ष होनी चाहिए और 1 जुलाई, 1976 को 22 वर्ष की नहीं होनौ चाहिए। इसका अभिप्राय यह हुआ कि उसके जन्म की तारीख 2 जुलाई, 1954 से पहले और 1 जुलाई, 1957 के बाव की म होसी चाहिए। अल्पकालीन सेवा कमीकम (गैर तकमीकी) पाठ्मकम के उम्मीदवार की भामु 1 जुलाई 1976 को 19 वर्ष की होनी चाहिए और उसकी भामु 23 वर्ष की नहीं हुई होनी चाहिए। इसका अभिप्राय यह है कि उसके जम्म की तारीख 2 जुलाई, 1953 से पहले और 1 जुलाई, 1957 के काव नहीं होनी काहिए।

निर्धारित आयु-सीमा किसी भी मामले में बढ़ाई नहीं जाएगी।

9. उम्बीखवार परिकिष्ट 1 में विनिर्दिष्ट विश्वविद्यालयों की डिग्री रखता ही या परिकिष्ट 1-क में उल्लिखित आहंताएं रखता हो ।

हिष्पणी: 1—कोई उम्मीदवार, जो मिसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसके उसीण करने पर वह इस परीक्षा में प्रवेण पाने का हकदार हो जाता है किन्तु उसका परिणाम घोषित नहीं किया गया हो, इस परीक्षा में बैठ सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठ रहा हो तो वह भी श्रावेदन-पत्र दे सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को प्रवेण दिया जाएगा यदि वह अन्यथा पात्र होंगे किन्तु उनका प्रवेश अस्थायी ही होगा। के किन यदि इस प्रकार के उम्मीदवारों ने यथाणीझ और किसी भी स्थिति में उस तारीख तक, जो संघ लोक सेवा आयोग ने निर्मारित की हो, परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पन्न प्रस्तुत न किया तो उनकी उम्मीदवारी रह हो जाएगी।

टिप्पणी 2— विशेष मामलों में लोक सेवा श्रायोग किसी
उम्मीदकार को, जिसके पास इस विषय में
निर्धारित की गई गैक्षिक मोग्यता तो नहो
लेकिन वह ऐसी मानक योग्यता रखता हो जो कि
श्रायोग की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के
योग्य हो मान्यता दे सकता है।

विष्यनी 3:—यदि कोई उम्मीदनार श्रन्यश्वा रूप से श्रहंता प्राप्त हो लेकिन उसने किसी ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्नी प्राप्त की हैं जिसका उस्लेख परिणिष्ट-1 में नहीं किया गया है, तो वह कमी शन के श्रावेदन कर सकता है और श्रायोग के विवेक पर उसे परीक्षा में बँठने की इजाजत दी जा सकती है।

- 10. जिन उम्मीदवारों को रक्षा मंत्रालय ने रक्षा सेवाग्रों में किसी भी तरह का कमीशन धारण करने से बॉजत कर दिया है, वे परीक्षा में प्रवेश पाने के हकदार नहीं होंगे और यदि उन्हें प्रवेश दे भी दिया गया हो तो उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।
- 11. जिन उम्मीदवारों को इससे पहले राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी, भारतीय सेना श्रकादमी, एयर-फोर्स—प्लाइंग कालेज, नौ-सेना श्रकादमी कोश्रीन, श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास में भर्ती कर लिया गया था लेकिन अनुशासनिक कारणों से उन्हें निष्कासित कर दिया गया था, ऐसे उम्मीदवारों के विषय में भारतीय सैनिक श्रकादमी, नौसैनिक श्रकादमी, या श्रस्पकालीन सेवा कमीशन में प्रवेश पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को भारतीय सेना अकादमी से अधिकारियों के अनुरूप गुणों के अभाव में पहले वापस बुला लिया गया था उन्हें भी भारतीय सैनिक अकादमी में भर्ती नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को पहले विशेष प्रवेश-- नी-सेना कैंबिट के रूप में चुन लिया गया था लेकिन फिर जिन्हें राष्ट्रीय रक्षे। प्रकादमी या नी-सेना प्रशिक्षण स्थापना से, ब्रधिकारियों के ध्रमुरूप गुणों के ध्रमाव में वापस बुला लिया गया था, वे भारतीय नी-सेना में प्रवेश के पाल न होंगे।

उन उम्मीदवारों के विषय में भी सेना में अन्पकालीन सेवा कमीशन के लिए विचार नहीं किया जाएगा जिन्हें, श्रीधकारियों के श्रनुरूप गुणों के श्रभाव में भारतीय सेना श्रकादमी, श्रपसंर ट्रैनिंग स्कल, राष्ट्रीय कैंडिट कोर श्रीर स्नातक पाठ्यक्रम से वापस ले लिया गया हो।

श्रक्षिकारियों के अनुरूप गुणों के अभाव में जिन उम्मीदवारों को राष्ट्रीय कैंडिट कोर तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस ले लिया गयाथा, उनके विषय में भी भारतीय सेना अकादमी में भर्ती के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

- 12. उम्मीदवारों की पालता के सम्बन्ध में संघ लोक सेवा श्रायोग का निर्णय श्रन्तिम होगा।
 - 13. किसी भी ऐसे उम्मीदवार के विरुद्ध, जिसे श्रायोग ने :---
 - (i) किसी भी साधनों से श्रपनी उम्मीदवारी के लिए सहायता प्राप्त करने, श्रथवा
 - (ii) पररूपधारण करने, स्रथवा
 - (iii) किसी ब्यक्ति द्वारा श्रपना रूप धारण करवाने, ग्रथवा
 - (iv) जाली या हेर-फेर किए हुए दस्तावेज प्रस्तुत केरने, ग्रथवा
 - (v) गलत या झुठा बयान देने या महस्वपूर्ण सूचना छिपा लेने, भ्रथवा
 - (vi) परीक्षा के लिए ग्रपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में कोई श्रन्य श्रनियमित या श्रनुचित साधन श्रपनाने, श्रथवा
 - (vii) परीक्षा भवन में अनुचित साधन श्रपनाने, श्रथवा
 - (viii) परीक्षा-भवन म श्रभद्र व्यवहार करने, श्रथका
 - (ix) उपर्युक्त खंडों में विणित सभी या कोई भी कार्य करने की, यथा स्थिति, कोशिश करने या उसके किए जाने में प्रोत्साहन देने का दोषी घोषित किया है, श्राप-राधिक मुकदमा चलाए जाने के साथ-साथ, निम्न-लिखित कार्यवाही की जा सकती है :--
 - (क) ग्रायोग उसे उस परीक्षा में अनर्ह कर सकता है जिसके लिए कि वह उम्मीदवार है, श्रथवा
 - (🜒 उसे---
 - (i) आयोग, श्रपने द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा या प्रवरण से.
 - (ii) केन्द्रीय सरकार, अपने क्रधीन किसी भी नौकरी से,स्थायी रूप से या किसी निविष्ट श्रविध के लिए वंचित कर सकता/सकती है, भौर
 - (ग) यदि वह पहने से सरकारी नौकरी में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाही की जा सकती है।

- 14. किसी उम्मीदवार को परीका में तब तक नहीं बैठने बिया जाएगा जब तक कि उसके पास संघ लोक सेवा बाबोग द्वारा जारी किया गया प्रवेश पत्न न हो।
- 15. आयोगद्वारा भिधिसूचना के परिणिष्ट 11 में दी गई पद्धति के भनुसार परीक्षा ली जाएगी।
- 16. श्रायोग की सूचना के श्रनुबंध-! में निर्धारित शुल्क उम्मीदवारों को श्रवश्य ग्रदा करना चाहिए।
- 17. संघ लोक सेवा श्रामोग स्विविक से ऐसे उम्मीदवारों की सूची बनाएगी जिन्होंने लिखित परीक्षा में भ्रामोगद्वारा निर्धारित निम्नतम श्रंक प्राप्त किए हों। ऐसे उम्मीदबार सेना सेलेक्शन बोर्ड के सामने बृद्धि, व्यक्तित्व तथा परीक्षा के लिए प्रस्तुत होंगे।

इन उम्मीववारों को भ्रायोग के स्विविक से निर्धारित न्यून्तम अर्हक भंक (1) लिखित परीक्षा में तथा (2) सेना सेलेक्शन बोर्ड की परीक्षा में प्रलग-प्रलग प्राप्त करने होंगे। इसके बाद उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा तथा सेना सेलेक्शन बोर्ड परीक्षाश्रों से प्राप्त कुल भंकों के अनुसार उनकी योग्यता के भ्राधार पर कम में रखा जाएगा। भारतीय सेना भकादमी, नौ-सेना अकादमी तथा भक्तसर ट्रेनिंग स्कूल के लिए भ्रांतिम चुनाव योग्यता सूची के भ्राधार पर, तथा आकटरी जांच से सब तरह से योग्य पाए जाने पर श्रीर रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार, किया जाएगा।

वे उम्मीदवार सेना सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत होंगे ग्रौर उन्हें अपने जोखिम पर, परीक्षा देनी होगी। जो परीक्षा वे सेना सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष देंगे उनमें, या उनके परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति की लापरवाही प्रथवा ग्रन्य प्रकार से, उन्हें यदि कोई चोट लग जाए तो उसके लिए वे सरकार पर किसी प्रकार की राहत या मुग्नावजे का दावा करने के हकदार न होंगे। उम्मीदवार को श्रावेदन-पत्र के फार्म में साथ संलग्न पत्र पर इस श्राग्रय के प्रमाण-प्रश्न हुस्ताक्षर करना होगा।

- 18. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय प्रायोग स्थयं करेगा ब्रायोग परीक्षाफल के बारे में उनसे पत्नाचार नहीं करेगा।
- 19. जब सेना सेलेक्शन बोर्ड द्वारा उम्मीदवार की इन्टरब्यू, डाक्टरी जांच या उसके बाद, प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाएगा तो उस समय प्रचलित नियमों के अनुसार वे यात्रा-भत्ते के पात्र होंगे। जो उम्मीदवार इससे पहले भी इसी प्रकार के कमीणन के लिए सेना सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष उपस्थित हुए हों, यदि उन्हें फिर सेना सेलेक्शन बोर्ड द्वारा इन्टरब्यू, या डाक्टरी जांच के लिए बुलाया जाएगा तो वे यात्रा-भत्ते के पाद्र न होंगे।
- 20. परीक्षा में सफल हो जाने से ही कोई व्यक्ति भारतीय सेना श्रकादमी, नौ-सेना श्रकादमी या श्रफसर ट्रैनिंग स्कूल में भर्ती होने का हकदार नहीं हो जाता ।

उम्मीदवार को नियोक्ता प्राधिकारी को इस बात से धवश्य संतुष्ट करना होगा कि वह, भारतीय सेना श्रकादमी, नौ-सेना श्रका-दमी या श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल, इनमें से किसी में भी प्रवेश पाने के लिए सब प्रकार से उपसुक्त है। 21. प्रशिक्षण का संक्षिप्त विवरण प्रशिक्षण के दौरान सेवा की शतों भीर कमीशन प्राप्त हो जाने पर वेतन, भत्ते, पेंशन, छुट्टी भीर प्रत्य शतों का उल्लेख इस ग्रिध्सूचना में परिशिष्ट I में किया गवा है।

का०वे० रमणमूर्ति, उप-सचिव

परिशिष्ट-1

भारत सरकार द्वारा अनुमोवित विश्वविद्यालयों की सूची (पैराग्राफ 9 वेखें) भारतीय विश्वविद्यालय

भारत में केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के किसी भी ग्रधिनियम द्वारा संस्थापित कोई भी विश्वविद्यालय श्रौर संसद् के किसी ग्रधिनियम द्वारा संस्थापित या विश्वविद्यालय श्रनुदान ग्रायोग ग्रधिनियम, 1956 की धारा 3 के श्रधीन विश्वविद्यालयों के रूप में घोषित ग्रन्य शिक्षा संस्थाएं।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विक्वविद्यालय । मांडले विक्वविद्यालय ।

इंगलिश और वेह्श विश्वविद्यालय

बार्मिषम, बिस्टल, कैम्ब्रिज । डरहम, लीड्स, लिबरपूल, लंदन । मैनचैस्टर, स्राक्सफोर्ड, रीडिंग । शेफील्ड ग्रौर वेल्ण विष्वविद्यालय ।

स्काटिश विश्वविद्यालय

एबरडीन, एडिनबरा, ग्लासगो श्रौर सेंट एन्डयूज विश्वविद्यालय ।

आयरिश विश्वविद्यालय

डिब्लन विश्वविद्यालय (द्रिनिटी कालेज) । भ्रायर लैंड का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय क्वीन्स यूनिवर्सिटी, वेल्फास्ट ।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय । सिंध विश्वविद्यालय ।

बंगला देश के विश्वविद्यालय

हाका विश्वविद्यालय राजशाही विश्वविद्यालय ।

नेपाल का विश्वविद्यालय

विभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू ।

परिशिष्ट 1-क

परीक्षा में बठने के लिए माग्य अहंसाओं की सूची (वैराग्राफ 9 बेक्टें)

- 1. काशी विद्यापीठ वाराणसी की शास्त्री परीक्षा।
- 2. फ्रेंच परीक्षा "प्रापेदेयूतीक"।
- ग्राम्य उच्चतर शिक्षा, राष्ट्रीय परिषद् का ग्राम्य सेवाभ्रों में डिप्लोमा ।
- विश्व भारती विश्वविद्यालय का ग्राम्य सेवाग्रों में डिप्लोमा।
- प्रिखल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का कामर्स में राष्ट्रीय डिप्लोमा ।
- 6. प्रखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में नेशनल डिप्लोमा, जो केन्द्रीय सरकार के श्रधीन उच्च सेवाश्रों श्रौर पदों पर नियुक्ति के लिए सरकार द्वारा मान्य है।
- 7. श्री धरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का "उच्चक्तर पाठ्यक्रम" बगर्ते कि यह पाठ्यक्रम "पूर्णकालिक विद्यार्थी" के रूप में सफलतापूर्वक पूरा किया गया हो।
- इंडियन स्कूल श्राफ साइन्स, धनवाद का खान "इंजी-नियरी में डिप्लोमा" ।
- 9. वैज्ञानिक थीसिस किये बिना पहली लेकिन राजकीय परीक्षा उत्तीर्ण करने पर रूस में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं से ग्रेज्युऐशन के रूप में प्रमाणित मानविकी श्रीर प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में डिप्लोमा ।
- 10. वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी की शास्त्री (श्रंग्रेजी सहित) या पुरानी णास्त्री या श्रतिरिक्त विषयों में जिनमें से एक विषय श्रंग्रेजी हो, विशेष परीक्षा के साथ संपूर्ण शास्त्री परीक्षा श्रर्थात् विरष्ठ शास्त्री ।
- 11. गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी हरिद्वार की भ्रालंकार डिग्री ।
- 12. बेरुस के श्रमरीकी विष्यविद्यालय, बेरुत लेबनान द्वारा प्रदान की गई कला स्नातक (बी०ए०) और विज्ञान स्नातक (बी० एस०) छिग्रिया ।

परिशिष्ट-]]

- 1. प्रतियोगिता परीक्षा निम्मलिखित प्रकार से होगी:---
- (क) नीचे के पैरा 2 में दिखाए ग्रनुसार लिखित परीक्षा,
- (ख) उन उम्मीदवारों की बुद्धि श्रीर व्यक्तित्व परीक्षा (इस परिशिष्ट की ग्रनुसूची के ग्रनुसार) के लिए साक्षास्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सैलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाय।
- 2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिए दिया जाने वाला समय और प्रस्थेक विषय के लिए नियम प्रधिकतम श्रंक निम्नलिखित होंगे:---

क---भारतीय सेना आकावनी में भर्ती के लिए:---

समय	ग्रधितम श्रंक		
 	<u> </u>		
3 घंटे	100		
3 घंटे	100		
3 षंटे	100		
	. 3 घंटे . 3 घंटे		

ऐ जिछक -- निम्नलिखित में से कोई एक विषय

संख्या	विषय	1	नियत समय	ग्रधिकतम श्रंक
(1)	(2)		(3)	(4)
1.	भौतिकी .		3 घंटे	150
2.	रसायन .		3 घंटे	150
3.	गणित .		3 घंटे	150
4.	बनस्पति विज्ञान		3 घण्टे	150
5.	प्राणी विज्ञान		3 घण्टे	150
6.	भूविज्ञान .	•	3 घण्टे	150
7.	भूगोल .		3 घण्टे	150
8.	भ्रंग्रेजी साहित्य		3 घण्टे	15 0
9.	भारत का इतिहास		3 घण्टे	150
10.	सामान्य अर्थणास्त्र		3 घण्टे	150
11.	राजनीति गास्त्र		3 घण्टे	150
1 2.	समाज विज्ञान		ु ३ घण्टे	1,50
13.	मनोविज्ञान	•	3 चण्टे	150

(ख) नौसेना अकाइयी में प्रवेश के सिए:---

विषय	नियत समय	पूर्णीक
भिन्दार्यः		
1. भ्रंग्रेजी .	. 3 घण्टे	100
2. सामान्य शाम	3 चण्टे	100
िक्रक ः		
*3. प्रारम्भिक गणित सा		
भौतिकी .	. ३ घण्टे	100
* 4. गणित या भौतिकी	. 3 খড্ট	150
		*जो उम्मी-
		दवार प्रकरं-
		भिक गणित
		की परीक्षा
		देंगे [ं] उन्हें चौथे
		परीक्षा पत्न
		मे भौतिकी
		विषय लेना
		होगा तथा
		ओ उम्मीद-
		वार प्रारभिक
		भौसिकी की
		परीक्षा देंगे
		उन्हें सौथे
		परीक्षा पक्ष
		में गणित
		विषय लेना
		होगा ।

(ग) अफसर देनिंग स्कूल में प्रवेश के लिए:---

विषय	नियत समय	पूर्णीक	
 ग्रंग्रेजी सामान्य ज्ञान 	. 3 ছण्टे . 3 ছण्टे	100	

लिखित परीक्षा भौर साक्षात्कार के लिए जी पूर्णीक नियत किए गए हैं वे प्रत्येक विषय में समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना श्रकादमी, नौसेना श्रकादमी और अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए नियत पूर्णीक कमश: 450, 450 और 200 होंगे ।

- 3. भारतीय सेना अकादमी और नौसेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे आव्रण्यकतानुसार प्रश्न पक्षों मे, सिक्के, तौल और माप की मीटरी पद्धति से परिचित होंगे । मीटरी पद्धति के सिक्कों, तोलों तथा मापीं पर आधारित प्रश्न परीक्षा में रखे जा सकते हैं ।
- सब प्रश्न पन्नों का उत्तर श्रंग्रेजी में दिया जाए, जब तक प्रश्न पत्न में विशेष रूप से श्रन्थथा न कहा जाए।

- 5. उम्मीदवारों को सब प्रथ्नों के उत्तर ग्रापने हाथ से लिखने चाहिएं। किसी भी दशा मे उन्हें लेखक की सहायता की श्रनुमित प्रदान नहीं की जाएगी।
- 6. भ्रायोग को अधिकार होगा कि वह परीक्षा में एक या सब विषयों के अर्हक ग्रंक निर्धारित करें।
 - 7. केवल सतही ज्ञान के लिए श्रंक नहीं दिए जाएंगे।
- 8. अपठनीय हस्तलेख पर अधिकतम श्रंक में से 5 प्रतिशत तक अंक काटे जा सकते हैं।
- परीक्षा के सभी विषयों में कम शब्दों में कमबद्ध, प्रभाष-कारी, यथार्थ प्रभिव्यक्ति के लिए श्रेय दिया जाएगा।

अमुसूची परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

प्रारम्भिक गणित ग्रौर प्रारम्भिक भौतिकी के प्रग्न पत्नों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के स्तर का होगा।

भ्रन्य विषयों में प्रश्न पत्नों का स्तर वही होगा जिस स्तर की किसी भारतीय विश्वविद्यालय के किसी स्नातक से भ्रपेक्षा की जा सकती है।

इन विषयों में से किसी में भी प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी। (1) अंग्रेजी

उम्मीदवार को श्रंग्रेजी में एक निबन्ध लिखना होगा । श्रन्य प्रश्न पत्न इस प्रकार होंगे जिनसे उम्मीदवार के श्रंग्रेजी के बोध को और उनके द्वारा अंग्रेजी के गब्दों के व्यावहारिक प्रयोग की परीक्षा ली जा सके । सामान्यतः श्रंग्रेजी के कुछ अंग सक्षेप करने या सार लेखन के लिए दिए जाएंगे ।

(2) सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाओं की जानकारी और ऐसे मामलों की जानकारी जो दिन प्रतिदिन देखे ग्रीर ग्रनुभव किए जाते हैं तथा उनके वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से ग्रपेका की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष ग्रध्ययन न किया हो। प्रमन पन्न में भारत के इतिहास ग्रीर भूगोल से सम्बन्धित ऐसे प्रमन भी होंगे जिनका उत्तर उम्भीदवार को, उन विषयों का विशेष ग्रध्ययन किए विना देना चाहिए।

(3) प्रारंभिक गणित

अंकगणितः

संख्या प्रविति—धन पूर्ण संख्याएं, पूर्ण संख्याएं, परिमेय श्रौर वास्तविक संख्याएं, कम विनिमेय साहचर्य श्रौर वितरण नियम । मूल संक्रियाएं । जोड़, घटाना, गुणन श्रौर विभाजन के प्रथन वर्ग श्रौर धन मूल । दशमलव भिन्न ।

ऐक्कि विधि—साधारण तथा मिश्र न्याज, समय तथा दूरी, कार्य औप समय, लाभ तथा हानि, प्रनुपान श्रीर समानुपात का प्रयोग तथा दौड़ से सम्बन्धित प्रश्न । प्रोरम्भिक संख्या सिक्कात—विभाजन एलोगोरिथ्य, प्रभाष्य ग्रौर भाज्य संख्याएं । गुणन ग्रौर गुणनखण्ड । गुणनखण्ड-प्रमेय । म० स० प० ग्रौर न० म० प० युक्तिडीय एल्गोरिथ्य ।

लघुमणक ग्रीर उसका उपयोग ।

बीजगणितः

आधारमूत संक्रियाएं—साधारण गुणनखण्ड । शेषफल प्रमेय । दो बहुपदों का म० स० प० श्रीर ल० म० प०, द्विषात समीकरण का हल, उनके मूलों श्रीर गुणाकों के बीज सम्बन्ध । दो श्रज्ञात राशियों के युगपत समीकरण, तीन श्रज्ञात राशियों के रैखिक युगस समीकरण, समीकरणों का प्रयोग । श्रसमिकाएं । ग्राफ ।

समुच्चय, श्रंकन पद्धति, वैन श्रारेख, समुच्चय संक्रियाएं. तीन श्रकात राशियों के रैखिक समीकरणों के हल समुच्चय, श्रयोग परिमेय गुणांकों वाले बहुपद। विभाजन एटगोरिध्य। घातांक नियम। समातर श्रेढ़ी और गुणोत्तर श्रेढ़ी। गुणोत्तर श्रेढ़ी। श्रावर्त दश-मलव भिन्न। कमचय श्रीर संचय। धन पूर्ण संख्या वाले षातों के लिए दिपव श्रमेय का श्रयोग।

विकोणमिति :

त्रिकोणिमितीय अनुपात श्रीर सर्वसिमिकाएं । 30°, 45°, श्रीर 60° के तिकोणिमितीय श्रनुपात तथा अंचाई श्रीर दूशी के प्रारम्भिक प्रक्तों में उनका प्रयोग ।

ण्यामिति :

श्रायतन संबंध । एक रेखा में कम संबंध । क्षेत्र एक समतल में दिग्वलन । पाश का ग्रमिगृहीत । रेखा ग्रौर बिन्दु में परावर्तन स्थानान्तरण । धूर्णन । परावर्तन, स्थानान्तरण ग्रौर घूर्णन का संयोजन । सर्पी परावर्तन । रेखा के प्रति सममिति । सममित श्राकृ-तियां । समदूरिकी । निश्चर । सर्गीगसमता—-प्रत्यक्ष ग्रौर विषम ।

- (ख) निम्नलिखित पर प्रमेय ---
- (1) किसी बिन्धु पर कोण के गुण धर्म
- (2) समांतर रेखाएं।
- (3) विभुजों की भुजाएं भीर कोण।
- (4) त्रिभुजों की सर्वांगसमता।
- (5) समरूप क्रिमुज ।
- (6) तिभुज की मध्यिकाओं, शीर्ष लम्बों, भुजाओं के लम्ब विभाजकों भीर कीणों के विभाजकों का संगमन ।
- (7) समांतर चतुर्भुज, समचतुर्भुज, ग्रायात, वर्गतथा समलम्ब के कोणों, भुजास्रों व विकणों के गुण-धर्म।
- (8) वृत्त भीर उसके गुण धर्म । इनमें स्पर्श रेखा तथा श्रीभलंब भी शामिल हैं ।
- (9) चकीय चतुर्भुज ।

(10) विम्युपथ ज्यामिति यंत्रों के प्रयोग की भावस्थकता वाले व्यावहारिक प्रका तथा रचनाएं जैसे, कोण तथा सीधी रेखा का ब्रिभाजन, लम्ब, समांतर रेखाएं, व्रिभुज। बृत्तों की स्पर्ण रेखाएं। त्रिभुजो के भ्रन्तवृत्तों श्रीर परिवृत्तों की रचना ।

कलन

फलन । ग्राफ । सीमा और सीतंत्य । फलनों के श्रक्ति कुणांक । वहुपदीं, परिमेय, क्रिकोणमितीय—प्रारम्भिक कलनों का श्रवकलम फलन के फलन का श्रवकलम । श्रवकल । दर । सुटिकां । क्रितीय कोटि श्रवकलण ।

श्रवकलन के व्युत्क्रम के रूप में समाकलन । समस्कलन के मानक सूत्र । खण्डणः श्रीर प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन ।

विस्तारकलन (मेन्सुरेशन)

समतल आकृतियों का क्षेत्रफल । धन पिरेमिड । लम्बवृत्तीय बेलन, गंकु और गोले का श्रायतन और पृष्ठ । (इनसे सम्बन्धित व्यावहारिक प्रक्त दिए जाएंगे और यदि आवश्यकता होगी सो प्रक्त पक्ष में सूत्र भी दे दिए जाएंगे ।)

समतल निर्देशांक ज्यामिति:---

दूरी सूझ । खण्ड सूझ। सीधी रेखा के समीकरण के मानक रूप। वो रेखनक्षों के बीज कोण। समग्रंतरता और लम्बता के प्रति-बंध। किसी बिन्दु से निसी रेखा तक के लम्ब की दूरी। वृत्त का समीकरण।

4. प्रारम्भिक भौतिकी

(क) विस्तार कलनः

मापन के मालक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मालक । आदिश और संविश । वस और वेग का संयोजन तथा वियोजन । एक समानस्वरण । एक समान स्वरण के अधीन ऋजुरेखीय गति । न्य्टन का गति-निषम । वस की संकल्पमा । वस के मालक । माला और भार ।

(ख) पिंड का बलविज्ञान:

गुरुश्व के श्रधीन गति । समस्तास्तर क्ला । गुरुश्व केन्द्र । साम्यावस्था । साधारण मशीन । वेग श्रेतुषातं । श्रीमत समतल केन्द्र और गियर एवं विभिन्न साधारण मशीतें । नवंण, पर्वण कीन्न, पर्वण गुणांक । कार्य, शक्ति, श्रीर कर्जा । स्थितिक श्रीर गतिक कर्जा ।

(ग) तरल का गुणधर्मः

दाब और प्रणोद । पास्कल का नियम । आकिमीडीज का नियम । धनत्व और विधिष्ट गुरुत्व । पिंडों और द्ववों के विधिष्ट गुरुत्वों को निधिरित करने के लिये आर्किमीडीज के नियम का अनु-प्रयोग । लवन का नियम । गैस द्वारा प्रयोग में लाए गए दाव का मांपन । वायस नियम । वायु पम्प ।

(घ) ताप---

विक्तों का रेखिक विस्तार भीर ब्रेगों का बनामार विस्तार । द्रवों का बास्तविक तथा ग्रामासी विस्तार । वास्से निवेम, परभ सून्य बायल भीर चार्ल्स नियम, पिण्डों भीर द्रवों का विशिष्ट ताप, कैलोरीमिति । ताप का संचरण धातुमों की ताप संबाहकता । स्थिति परिवर्तन । संलयन श्रीर वाष्पन की गुष्त ऊष्मा । एस० की० पी०, नमी (धार्द्रता), श्रोसांक श्रीर धापेक्षिक आद्रता ।

(इ.) प्रकाश

ऋ जुरेखीय संचरण । परावर्तन के नियम । गोलीय दर्पण, अपवर्तन अपवर्तन के नियम । लैन्स, प्रकाशिक यंद्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारम्पार चित्रदर्शी, दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी बाइनोक्यूलर तथा परिदर्शी । प्रिज्म, प्रकीर्णन के माध्यम से अपवर्तन ।

(च) व्यक्तिः

ध्वनि संघरण; ध्वनि परावर्तन, अनुनाद । ध्वनि ग्रामोफोन का ग्रमिलेखन ।

(छ) चुम्बकत्व तथा विश्रुत्

चुम्बक्तस्य के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र । चुम्बकीय कल रेखाएं । पाधिव चुम्बक्तस्य । चालक भीर रोधी । श्रोम-नियम, पी० डी० प्रतिरोधक, विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी-पार्श्व में प्रति-रोधक । विभवमापी विद्युत-चुम्बकीय बल की ठुलना । विद्युत का चुम्बकीय प्रभाव । चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता । प्लेमिंग का बाम इस्तिनियम । मापक यन्न-धारामापी ऐमीडर बोल्ट विद्युत बारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत लेपन ; विद्युत चुम्बकीय प्रेरण फैरेड-नियम बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनिता।

(5) भौतिकी:

1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांक्रिकी

यूनिटें श्रीर विभाएं, स्केलर श्रीर वैक्टर मात्राएं, अब्रुत्व शासूर्ण कार्य, ऊर्जा श्रीर संवेग । यात्रिकी के मूल नियम, भूर्णी गति, गुरुत्वाकर्षण, सरल धावतं गति, सरल श्रीर श्रसरल सोसक, केटर लोलक, प्रत्यास्थता, पृष्ठ तनायं, द्रव की विस्कासिता रोटरी पम्प मेकलियोड गेज ।

2. ह्वनि

धवमेदित, प्रणोदित भौर मुक्त कम्पन, तरंग-गति, डाप्लर प्रधाव, ध्वमि तरंग-वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाव, तापमान और मार्बता का प्रभाव, डोरियों, छड़ों, प्लेटों और गैसस्तम्मों का कम्पन, सनुनाद विस्पद, ध्वनि की तीवता, स्वर ग्राम, स्यापत्यकला में ध्वनिकता, पराश्रव्य के मूल तत्व, ग्रामोफोन टाकीज और लाउड स्पीकरों के सिद्धांत का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. ऊव्मा और ऊष्मा गति विज्ञान

तापमान भौर उसका मापन, तापीय प्रसार, गैसों में समतापी सब्धोष (ऐडियाबेटिक) परिवर्तन विशिष्ट ऊष्मा श्रीर ऊष्मा संबाहकता द्रव्य के मणुगति सिद्धान्त का प्रारम्भिक ज्ञान, बोल्टसमान के वितरण नियम का भौतिक बोध, वाडरबाल का भवस्या समीकरण, जूल थाम्सन प्रभाव, गैसों का द्रवण, ऊष्मा इंजन, कार्नो-प्रमेय, ऊष्मा गति-विज्ञान के नियम श्रीर उसका सामान्य भनुप्रयोग, कृष्णिका विकिरण।

4 प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी, प्रकाश का वेग, समतल श्रीर गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन श्रीर श्रपवर्तन प्रकाशीय प्रति-बिम्बों में दोष, श्रीर उनका नियारण नेत्र श्रीर श्रन्य प्रकाशिक यंत्र, प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यतिकरण, सरल व्यतिकरण-मापी, विवर्तन, विवर्तन ग्रेटिंग प्रकाश का श्रुवण स्पेक्ट्रस विज्ञान के मूल तस्य।

5 विद्युत् और चुम्बकत्व

सरल मामलों में विद्युत् क्षेत्र, विद्युत्-तीव्रता, ग्रौर विश्रुत् विभव का परिकलन, गौस प्रमेय उसका सरल ग्रनुप्रयोग विश्रुत्-मापी विद्युत्-क्षेत्र के कौरण ऊर्जा द्रव्य के विश्रुत् ग्रौर चुम्बकीय गुण, हिस्टेरिसिस चुम्बकशीलता ग्रौर प्रवृत्ति, विश्रुत् धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र, मूर्विंग मैग्नट एण्ड यूर्विंग क्यायल गैस्वैनोमीटर धारा भौर प्रतिरोध का मापन, रिएक्टिब सर्किट एलिमेन्टस के गुण ग्रौर उनका निर्धारण, ताप विश्रुत् प्रभाव, विश्रुत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराभ्रों का उत्पादन, ट्रांस-फार्मर भौर मोटर इलेक्ट्रानिक वाल्व ग्रौर उनका सरल ग्रनुप्रयोग ।

बोर के परमाणु सिद्धान्त के मूल तत्व, इलैक्ट्रांस, कैयौडेकिरण ग्रोर एक्सरे, इलैक्ट्रानिक चार्ज ग्रीर द्रब्यमान का मापन्।

(6) रसायम विज्ञाम

1. अकार्बिमक रसायन विकान

मूल तत्वों का इलैंक्ट्रानिक विन्यास, श्राफ बाऊ नियम, मूलतत्वों का ग्रावर्ती वर्गीकरण । परमाणु क्रमांक । संक्रमण तत्व भीर उनके लक्षण ।

परमाणु ग्रौर श्रायनिक रेड्डी । ग्रायनन विभव । इलैक्ट्रान बंधुता ग्रौर विद्युत् ऋणात्मकता ।

प्राकृतिक श्रौर कृतिम विश्वदनामिकता । नामिकीय विखण्डम श्रौर संगलन ।

संयोजकता का इलैक्ट्रानिक सिद्धान्त, सिग्मा और पाई बंध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहय्योजी ब्राबन्ध के संकरण और दिशिक प्रकृति ।

वारनेर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त । उभयनिष्ठ धातु-कर्मीय तथा विश्लेषीय प्रचासन ।

भ्राक्सीकरण स्थितियां ग्रौर ग्राक्सीकरण संख्या । सामान्य उप-चायक तथा उपचायक भ्राक्सीकारक । श्रायति समीकरण ।

ल्युइस भीर बन्सटेव के अम्ल भीर वे सिद्धान्त ।

सामान्य तत्वों का रसायन, श्रौर उनका मिश्रित उपचार विशेष रूप से श्रावर्ती वर्गीकरण की दृष्टि से निष्कर्षण के सिद्धान्त । महत्वपूर्ण तत्वों (तथा धातुकर्मी) का वियोजन ।

हाइयुोजन पर आक्साइड की संरचना, डाइबोरैन, ऐलू-मिनियम क्लोराइड तथा नाइट्रोजन फास्फोरस क्लोरीन और गन्धक के महत्वपूर्ण झाक्साइड ।

मिक्रिय गैस : वियोजन तथा रसायन ।

श्रकार्बनिक रासायनिक विश्लेषण के सिद्धान्त ।

सोडियम कार्बोनेट सोडियम हाइड्रोक्साइड, श्रमोनिया नाइट्रिक श्रम्मल गन्धकीय श्रम्ल, सीमेन्ट ग्लास श्रीर कृत्निम उर्वरक ।

2. कार्बनिक रसायम विज्ञान

सहसंयोजी श्राबंधन की श्राधुनिक विचारधाराएं । इलैक्ट्रान विस्थापन प्रेरिणिक, मेसोमरि श्रात संयुग्मन प्रभाव । श्रनुनाद श्रोर कार्बनिक रसायन में उसका श्रनुप्रयोग । वियोजनांक (डिसो-सिएशन कास्टेंट) पर संरचना का प्रभाव ।

ऐल्केन, ऐल्कीन श्रौर ऐल्काइन । कार्बनिक मिश्रण के स्त्रोत के रूप में पेट्रोलियम । ऐलिफेटिक मिश्रणों सरल केब्युन्पन्न । ऐल्कोहल ऐल्डीहाइड्स कीटोन, ग्रम्ल, हैलाइड, एस्टर्स, ईथर, ग्रम्ल ऐनीड्राइड क्लोराइड ग्रौर ग्रमिड एक्झारकी हाइड्रोक्सी की टेनी श्रौर ऐमीनो ग्रम्ल । कार्ब-धात्वक मिश्रण श्रौर ऐसीटो-एसीटिक एस्टर । टार्टरिक सिट्टिक, मैं लेइक ग्रौर फूमैरिक श्रम्ल । कार्बोहाईड्रेट, वर्गीकरण श्रौर सामान्य ग्रमिकिया । ग्लूकोस फल शर्करा ग्रौर इग्नु शर्करा ।

3. भौतिक रसायन

गैसों श्रौर गैस नियमों का गतिक सिद्धान्त । मैक्सवेश का वेग वितरण नियम । वान डेरवाल का समीकरण । संगत श्रवस्थाश्रों का नियम । गैसों का द्रावण । गैसों का विशेष उष्मा । सी० पी०/ सी० पी० का श्रनपात ।

ऊष्मागतिकः

उष्मागित का पहला नियम । समतापी श्रीर रुद्धोष्म प्रसार ।
पूर्ण उष्मा । ऊष्मा धारिता । उष्मरसायन श्रिभिक्रिया ऊष्मा,
बिरचज, विलयन श्रीर दहन । श्राबंध ऊर्जा की गणना ।
किरखोफ समीकरण । स्वतः प्रवितित परिवर्तन का मानदण्ड ।
ऊष्मागितिक का दूसरा नियम । एन्ट्रापी मुक्स ऊर्जा । रासायनिक सन्तुलन का मानदण्ड ।

धोल: परासरण दाब, बाष्प को कम करना, बाँष्पहिमांक भ्रवन-मन क्वथनांक बढ़ाना । घोल में अणु-भार निश्चित करना । विलेयों का संगुणन श्रौर वियोजन । रासायनिक संतुलन ? द्रव्यमान अनु-पाती श्रभित्रिया श्रौर समांगी तथा विषमांगी संतुलन । ला-णातैलिए नियम । रासायनिक संतुलन पर ताप का प्रभाव ।

विद्युत् रसायम : फैराडे विद्युत अपघटन नियम, विद्युत अपघटन की चालकता तुल्यांकी चालकता और तनुता में उसका परिवर्तन, अल्प विलेय लवणों की विलेयता विद्युत अपघटनी वियोजन । भ्रोस्टवाल्ड तनुता नियम, प्रचल विद्युत अपघटयों की अंसगति, विलेयता गुणनफल, अम्लों और क्षारकों की प्रचलता । लवणों का जल अपघटन हाइड्रोजन आयन की सान्द्रता, उभय प्रतिरोध किया (बफर किया) सूचक सिद्धान्त ।

उत्क्रमणीय सेल, मानक हाइड्रोजन और कैलोमेल इलेक्ट्रोड इले-क्ट्रोड और रेडाक्स विभव । सान्द्रता सेल । पी० एच० का निर्धारण । भ्राभिगमनांक । पानी का भ्रायनी गुणनफर्ला। विभव मूलक श्रनुमापन । रासायनिक बलगतिविज्ञान श्रणुसंख्यता श्रौर श्रभिक्रिया की कोटि । 2—83GI/75 प्रथम कोटि की ध्रभिकिया धौर दूसरी कोटि की ग्रभिकिया। श्रभिकिया की कोटि का निर्धारण, ग्रपकान्तिकता तापांक धौर सिक्रयण
ऊर्जा। श्रभिकिया दरों का संधद्वाद। सिक्रयित संकुल सिद्धान्त।
प्रावस्था नियम। इसकी णब्दावलियों की व्याख्या। एक ग्रौर दो
घटक तन्त्र का ग्रनुप्रयोग। वितरण नियम।

कोलाइड : कोलाइडी जिलयन का सामान्य स्त्ररूप ग्रौर उनका वर्गीकरण; कोलाइड के जिरचन ग्रौर गुणों की सामान्य रीति । स्कन्दन । रक्षक किया ग्रौर स्वणांक । श्रिधशोषण ।

उत्भेरणः समांग भ्रौर विषमांग उत्प्रेरण वर्धकः। विषाकतनः।

प्रकाश रसायन : प्रकाश रसायन के नियम । सरल संख्यात्मक (7) गणित :

भाग क

बीजराणितः

समुख्यों का बीजगणित संबंध ग्रीर फलन का प्रतिलोध, संयुक्त, फलन, तुल्यता, संबंध।

सख्यत्एं :

पूर्ण संख्या, परिमय , संख्या, वास्तविक संख्या (गुणों का विजरण) सम्मिश्र संख्या, सम्मिश्र संख्यात्रों का वीजगणित । समूह उप-समूह प्रसामान्य उप समूह चक्रीय भौर कम्बय समूह, लाग्नांज प्रमेय, समरूपता ।

परिमेय सूचकांक के लिए द-मौयवर का प्रमेय श्रौर उसका सरल श्रनुत्रयोग।

समीकरण सिद्धात:

बहुपद्र समीकरण, रूपान्तरणसमीकरण, बहुपद समीकरण के मूल ग्रीर गुणाकों के बीच संबंध, विधात ग्रीर चतुर्धात समीकरणों के मूलों का समित फलन, मूलों की ग्रवस्थित ग्रीर मूल निकालने की न्यूटन पद्धति।

मैद्रिसेस: मैद्रिसेस की बीजिक्या, सारणिकसारणिकों का सरल गुण, सारणिकों का गुणनफल, सहखंडज-भाव्यूह, मैद्रिसेसों का प्रतिलोमन, मैद्रिक्स की जाति, रेखिक समकीरण के हल निकालने के लिए मैद्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन ग्रज्ञात संख्याओं में)

असमताएं :

समान्तर श्रौर ज्यामितीय माध्य, कौशी श्वार्ज श्रसमिका (केवल तीन परिमित योगों के लिए)

द्विचिक और विविध की विश्लेषक ज्यामिति:

द्विविम की विष्लेषिक ज्यामिति : सरल रेखाएं, सरल रेखाम्रों की जोड़ी, वृत्त, वृत्त निकाया परवलय दीर्घवृत्त म्रतिपरवलय, (मुख्य म्रंगों के सन्दर्भ में) द्वितीय भ्रंग समीकरण को मानक रूप में लघु-करण। स्पर्गरेखाएं ग्रौर म्रभिलंब।

विविम की विश्लेषक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)

कलन (कलकुलस) और विभिन्न समीकरण:

श्रवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, वास्तिविकचर फलन का सांतत्य ग्रीर अवकलनीयता, मानक फलन का श्रवकलज उत्तरोत्तर श्रवकलन रोल का प्रमेय मौक्यमान प्रमेय, मौकलारिन श्रीर टेलर सीरीज (प्रमाण श्रावक्ष्यक नहीं है) श्रीर उनका श्रनुप्रयोग, पिरमेय सूचकांकों के लिए दि्पद-प्रसरण, चरधातांकी प्रसरण, लधुगणकीय, त्रिकोण-मितीय श्रीर श्रतिपरवलयिक फलन । श्रानिर्धारित रूप, एकल चर फलन का उच्चिष्ठ श्रीर श्राल्पिष्ठ, स्पर्शरेखा, श्रिभलम्ब, श्रधः स्पर्शी, श्रघोलम्ब, ग्रनन्तस्पर्शी वक्रता (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय श्रनुप्रयोग/ एनवेलप, श्रांशिक श्रवकलन । समांगी फलनों से संबंधित श्रायलर प्रमेय।

समाकलन-गणित (इंटीपल कॅलकुलस): समाकलन की मानक प्रणाली, सतत फलन के निश्चित समाकलन की रीमान-परिभाषा । समाकलन गणित के मूल सिद्धान्त । परिशोधन, क्षेत्रकलन, प्रायतन ग्रौर परिक्रमण घनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल/संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्प्सन का नियम ।

भ्रनुकम भ्रौर सीरीज का अभिसरण, धनात्मक पदों के साथ सीरीज के अभिसरण का परीक्षण । श्रनुपात, मूल श्रौर गाउज परी-क्षण । एकान्तर श्रेणी ।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक भ्रवकल समीकरण का हल निकालना । नियम गुणांक के साथ द्वितीय भौर उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना । वृद्धि भौर क्षय की समस्याभ्रों का सरल भ्रनुप्रयोग । सरल हारमोनिक रूपान्तरण साधारण पेण्डुलम भौर समदिश ।

भाग 2

यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)

स्थिति-विकान : बल का निरुपण, बल-समातरचतुर्भुज, बल-संयोजन और बल-वियोजन और समतलीय तथा संगामी बलों की साम्यावस्था की स्थिति । बल-त्रिभुज । जातीय और विजातीय समान्तर-बल । श्राधूर्ण । बल-युग्म । समतलीय बलों की साम्या-वस्था की सामान्य स्थिति । साधारण तत्वों के गुरुत्व-केन्द्र । स्थैनिक घर्षण और सीमान्त घर्षण । घर्षण-कोण । रुक्ष श्रानत समतल पर के कण की साम्यावस्था । सरल निर्मेय । साधारण मशीन (उत्तोलक, घरनी का निर्देश पद्धति,गिश्रर) । कल्पित कार्यं (दो श्रायामों में) ।

गित-विकान: शुद्ध गितिविक्षान—कण का त्वरण, वेग, चाल भीर विस्थापन, आपेक्षिक वेग। निरन्तर त्वरण की भ्रस्था में सीधी रेखा की गित। न्यूटन के गित सम्बन्धी सिद्धान्त। सकेन्द्र कक्षा। सरल प्रसंवादी गित। (निर्वात में) गुरुत्वावस्था में गित। भ्रावेग कार्य श्रीर ऊर्जा। रैखिक संवेग श्रीर ऊर्जा का संरक्षण एक समान वर्तुल गित।

खगोल विज्ञान:

गोलीय विकोणमतिः ज्या एवं काटिज्या , फार्मूला समकोण युक्त गोलीय विकोणों के गुण । गोलीय खगोल विकान: खगोल, समन्वित प्रणाली श्रौर उसका रुपान्तरण। दैनिक गति। नाक्षत्र समय, सौर समय, माध्य सौर समय, स्थानीय श्रौर मानक समय, समय-समीकार। सूर्य श्रौर नक्षत्रों का उदय श्रौर श्रस्त, क्षितिज नित। खगोलीय ग्रपवर्तन। सांध्य-प्रकाश। लंबन, श्रपेरण, पुरस्सरण, श्रौर विदोलन। केपलर के नियम। ग्रह-कक्षा श्रौर स्तब्ध बिन्दु। चन्द्रमा की दृष्ट गति। चन्द्रमा की प्रावस्थाएं।

खगोलीय यंत्र :--सेक्सटेंट, प्रेषण यंत्र सांख्यिकीय :

प्रायिकता: प्रायिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गुणन सिद्धान्त, सप्रतिबंध प्रायिकता। यादृच्छिक चर (विविक्त और प्रवित्त), घनत्व फलन, गणितीय प्रत्याणा।

मासक बंटन---दि्वपद-परिभाषा, माध्य श्रीर प्रसरण, वैषम्य, सीमांत रूप, सरलं श्रनुप्रयोग ।

प्वासों-परिभाषा, माध्य श्रीर प्रसरण, थोज्यता, उपलब्ध श्रांकड़ों में प्वासों बंटन का समंजन । सामान्य-सरल समानुपात श्रीर सरल श्रनुप्रयोग उपलब्ध श्राकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बंटन का समंजन।

द्विचर वितरण: सह संबंध, दो चरों का रैं जिक समाश्रयण, सोधी रेखा का समजन, पखलियक और चलधाताकी बक, सह संबंधित गुणांक के गुण। सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पमाओं का सरल परीक्षण—यावृन्छित प्रतिदर्श । सांख्यिकी । प्रतिदर्शी बंटन ग्रौर मानक द्वृटि । मध्यपदों के ग्रन्तर की ग्रर्थवन्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एच० ग्राई० (Chi) 2 ग्रौर एफ० का सरल वितरण।

(8) वमस्पति विज्ञान:

- वनस्पित जगत का सबक्षण-प्राणियों और पौधों में अभ्तरः
 जीवित जीव की विशेषताएं। एक कोशिक और बहु कोशिक जीवः वाहरसः वनस्पति जगत के विभाजन का श्राधार।
- आकृति विभान:—(i) एक कोणिक पौधे कोणिका : इसकी संरचना श्रीर श्रन्तर्वस्तु : कोशिकाश्रों का विभाजन श्रीर संवर्धन ।
- (ii) **बहुकोशिक पौधे—**श्रमंबहनी श्रौर संबहनी पौधों के कार्य में भेद : संबहनी पौधों का बाह्य श्रौर श्रांतरिक श्राकृति विज्ञान।
- 3. जीवन वृत्त--इन पादप वर्गों के प्रत्येक वर्ग के कम से कम एक पौधे का जीवनवृत्त--वैक्टीरिया नील हरित शैवाल वर्ग (साइनोफाइसी), क्लोरोफाइसी: भूरा शैवाल वर्ग (कियाफाइसी), लाल शैवाल वर्ग (रोजेफाइसी), पाइकम्पासाइसिटीज, एस्कोमाइ-सिटीज; नासिज्यिमी कवक, लिवरवर्ट; मासेस; टैरिडोफाइटीज, जिम्नोस्पर्म, श्रीर ऐन्जियोस्पर्म।

4. विगकी--वर्गीकरण के नियम ऐन्जियोस्पर्भ के वर्गीकरण की मुख्य पद्धतियां:

निम्नलिखित कूलों के विशिष्ट लक्षण और श्रार्थिक महत्व:--

ग्रामिनि सिटामिनि, पामेसी, लिलिरसी, ग्राकिडेसी, मोरेसी; लोरेन्थैसी; कुसिफेरी; रोजेसी, लेग्युमिनोसी; स्टेसी; मीलिएसी; यूफोनियासी; ऐनाकार्डिएसी; मालवेसी; ऐसोसाइनेसी; एस्कलीपिएडेसी; डिप्टरोकारमेसी; मर्टेसी, श्रम्बेलीफेरी; तुलसीकुल (लेबिएटी) सोलैनेसी; स्विएसी, कुरबिटासिई; बर्नीनेसी ग्रौर कम्पोजिटी।

- 5. पावप शरीर कियाविज्ञानः—स्वपोषण, परपोषण जल ग्रीर पोषक तत्वों का श्रन्तर्ग्रहण, वाष्पोत्सर्जन; प्रकाश संग्र्लेषण; खनिज पोषण; श्वसन, वृद्धि; जनन; पादप/प्राणि संबंध; सहजीवन; परजीविता, ऐन्जाइम; श्राविसम; हारमोन; दीप्तिकालिता।
- 6. पादप रोग विकान :—पौधों की बीमारियों के कारण श्रौर उनके उपचार; रोग जीव; बाइरस; हीनता जन्य रोग; प्रतिरोध।
- 7. पादप परिस्थिति विज्ञानः—विशेष रूप से भारतीय पेड़-पौधों ग्रौर भारत के वनस्पित क्षेत्रों के संदर्भ में परिस्थित विज्ञान ग्रौर पादप भूगोल से संबंधित ग्राधार भूत तत्व ।
- 8. सामान्य जीव विज्ञान:——कोशिका-विज्ञान, ग्रानुवंशिक विज्ञान, पादप प्रजनन मैण्डेलवाद, संकर-श्रोज, उत्परिर्वतन, विकास।
- 9. ग्रार्थिक वनस्पति विज्ञान-पौधों का विशेषतः ग्रनाजों, दालों फलों चीनी, स्टार्च, तिलहनों, मसालों, पेय पदार्थों, रेशों, लकड़ियों, रबर, ग्रीषधियों ग्रीर वाष्पणील तेलों ग्रादि वनस्पति उत्पादों से संबंधित पुष्प पादपों का मानव कल्याण के लिए लाभ-कारी उपयोग।
- 10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास :--वनस्पति विज्ञान संबंधी ज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी।

(9) प्राणि विज्ञान

प्राणि जगत का प्रमुख समूहों में वर्गीकरण, विभिन्न वर्गों के विणिष्ट लक्षण ।

निम्न रज्जु रहित (नान-कार्डेंट) किस्म के प्राणियों की बनावट श्रादतें ग्रौर जीवन-वृत :

श्रभीवा, मलेरिया-परजीवी । स्पंज । हाइड्रा लियरफलू । फीता कृमि; गोल कृमि; केंचूश्रा; जोंक; तिलचट्टा; गृह मक्खी; मच्छर; बिच्छू, ताजे पानी का मस्ल, ताल घोंघा; श्रौर स्टार-फिश (केवल बाह्य लक्षण)

कीटों का ग्राधिक महत्व । निम्नलिखित कीटों की परिस्थिति ग्रीर जीवन-वृत:---

दीमक; टिड्डी; शहद की मक्खी श्रौर रेशम का कीड़ा। रज्जुकी-क्रम वर्गीकरण।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट ग्रीर तुलनात्मक शरीर :—

त्रैन्लिश्रोस्टोमा; स्कोलिश्रोडान; मेंढक; यूरोमैस्टिक्स या कोई अन्य छिपकली (वैरनस का अस्थिपंजर); कबूतर (कुक्कुट का अस्थिपंजर); श्रौर खरगोण, पूहा या गिलहरी। मेंढक श्रीर खरगोश के संदर्भ में जन्तु कार्य के विभिन्न श्रंगों के उत्तकविज्ञान श्रीर शरीर किया विज्ञान की प्रारम्भिक जानकारी; श्रन्तः स्त्रावी ग्रंथियां श्रीर उनका कार्य।

मेंढक धौर चूजे के विकास की रूपरेखा, ध्रपरास्तनी जन्तुश्रों की बनावट धीर कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता; श्रानुबंशिकता; श्रनुकूलन; पुनरावर्तन परिकल्पना; मेन्डेलीय श्रानुबंशिकता; श्रलैंगिक जनन और लैंगिक जनन की विधियां; श्रनिषेक जनन; (पार्थेनोजेनसिस); कायांतरण, पीढ़ी-एकांतरण।

विशोष रूप से भारतीय जन्तु समूह के संदर्भ में जन्तुओं का पारिस्थितक श्रौर भृवैज्ञानिक वितरण ।

भारत के वन्य प्राणी जिनमें विषैले और विषहीन सांप भी शामिल हैं; शिकार-पक्षी।

(10) भूविज्ञान

1. सामान्य भूविज्ञान:

पृथ्वी की उत्पत्ति, काल ग्राँर ग्रांतरिक भाग, विभिन्न भूवैज्ञानिक एजेंसियां ग्राँर स्थलाकृति, ग्रमक्षय ग्राँर ग्रमरदन (इरोजन), पर उनका प्रभाव, मृदा के प्रकार, उनका वर्गीकरण भौर भारत के मृदा समूह, भारत के भू-श्राकृति उप-भाग, वनस्पति ग्रीर स्थलाकृति, ज्वालामुखी, भूकम्प पर्वत पटलविरुपण (डायस्ट्रोफिजम)।

2. संरचनात्मक भूविज्ञान:

श्राग्नेय, श्रवसवादी श्रीर कायांतरित चट्टानें, नित नितलम्ब, श्रीर ढलान वलन, श्रांश श्रीर विषम विन्यास श्रीर दृश्याकों पर उनका प्रभाव, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्रीर मानचित्रण की विधियों के संबंध में प्रारंभिक जानकारी।

3. क्रिस्टल विज्ञान और खमिज विज्ञान:

किस्टल समिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी । क्रिस्टल विज्ञान के नियम, क्रिस्टल की प्रकृति श्रीर यमलन (ट्विनिंग)।

मृण्मय खनिजों, महत्वपूर्ण शैल-रचना, रासायनिक संघटन, भौतिक गुण, प्रकाशिकगुण-धर्म, परिवर्तन, प्राप्ति ग्रौर व्राणिज्यिक उपयोग संबंधी ग्रध्ययन ।

4. आर्थिक भृविज्ञान :

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी उपस्थिति की अवस्था का श्रध्ययन । श्रयस्क निक्षेपों का उद्भव श्रौर वर्गीकरण ।

5. शैल विज्ञान :

भ्राग्नेय, भ्रवसादी भ्रौर कायांतरित चट्टानों तथा उनके उद्-भव भ्रौर वर्गीकरण का प्रारम्भिक श्रध्ययन । चट्टानों के सामान्य प्रकारों का भ्रध्ययन ।

6. स्तर कम विज्ञानः

स्तर क्रम विज्ञान के नियम : भूवैज्ञानिक ग्रभिलेखों का ग्रश्म : वैज्ञानिक ग्रौर कालानुकम उप-विभाजन । भारतीय स्तर क्रम विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषतायें।

7. जीवाश्म विज्ञान:

जीवाश्म विज्ञान संबंधी भ्राधार सामग्री का विकास से संबंध । जीवाश्म (फासिल्स) उनका स्वरूप भ्रीर उनके परिरक्षण की विधि । प्राणी-जीवाश्मों भ्रीर पादप-जीवाश्मों की निरूप श्राकृतियों के श्रीकृति विज्ञान भ्रीर विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी ।

(11) भूगोल

- (i) प्रारम्भिक -भू-आकृति विश्वानः -सौर मंडल ग्रौर पृथ्वी का उद्भव, भू-ग्राकृति, भू-लक्षण, प्रारम्भिक भूविज्ञान, चट्टानों श्रौर मिट्टी का बनना ।
- (ii) जलवायु विकास :-- जलवायु भ्रौर इसके तत्य, ताप-मान, दाव, श्राद्वेता, पवन, पद्धति, चक्रवात श्रौर प्रतिचक्रवात का प्रारम्भिक ज्ञान, वृष्टिपात के प्रकार।
- (iii) संमुद्र विकान :—भूमि और जल का वितरण, समुद्र-जल का संचालन, ज्वार, धारायें, लवणता, समुद्रतल निक्षेप।
- (iv) पावप भूगोल:—वनस्पतियों के प्रकार, भौगोलिक पर्यावरण से उनका संबंध, वन, धास के मैदान, रेगिस्तान, प्रधान प्राकृतिक क्षेत्र।
- (v) मानव भूगोल :--पर्यावरण में मानव, मनुष्य की प्रजातियां, मनुष्य के कार्यंकलाप श्रीर जनसंख्या का विभाजन।
- (vi) आर्थिक भूगोल: --- मुख्य वनस्पतियां, पशु और खिनज उत्पादन, उनका वितरण और भौगोलिक पृष्टभूमि, मुख्य उद्योग और उनका स्थानीकरण, कच्चे माल, खाद्यान्न और विनिर्मित माल का भ्रंतर्राष्ट्रीय व्यापार।
- (vii) क्षेत्रीय भूगोल: ---भारत का विस्तार से श्रौर संयुक्त राज्य श्रमेरीका, ब्रिटेन, रूस, चीन, जापान, दक्षिण पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व, श्रीलंका, बर्मा ग्रौर पाकिस्तान का सामान्य रूप से विज्ञान।

(12) अंग्रेजी साहित्य

उम्मीदवार को स्पेंसर काल से लेकर महारानी क्क्टोरिया का शासन समाप्त होने तक के श्रंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य श्रौर निम्नलिखित लेखकों की कृतियों का विशेष ज्ञान होना चाहिए :---

शोक्सपीयर, मिल्टन, जॉनसन, डिक्न्स, वर्डसवर्थ, कीट्स, कार्लाइल, टेनिसन ग्रीर हार्डी ।

(13) भारत का इतिहास

1600 ई० से लेकर भारतीय गणराज्य की स्थापना तक का भारत, तथा इस श्रवधि में घटित सांविधिक प्रगति ।

हिष्पणी: ----इस विषय में उम्मीदवारों को भूगोल के उस पक्ष का भी ज्ञान होना चाहिए जिसका संबंध इतिहास से होता है श्रीर उनको नक्ष्णा बनाना भी श्राना चाहिए । किसी भ्रवधि के आरम्भ होने की यदि कोई निश्चित तारीख दी जाए तो उम्मीद-वारों को सामान्य रूप से यह भी जानना चाहिए कि हम प्रारम्भिक स्थिति तक किस प्रकार पहुंचे हैं।

(14) सामान्य अर्थ-शास्त्रः

उम्मीदवारों को श्रर्थशास्त्र के सिद्धान्त का ज्ञान होना चाहिए, श्रौर उनको तथ्यों की सहायता से सिद्धान्त का निरूपण करना श्रौर सिद्धोत के आधार पर तथ्यों का विश्लेषण करना दोनों आना चाहिए भारत श्रौर इंग्लैण्ड के ग्राथिक इतिहास श्रौर उन देशों की श्राथिक स्थिति का कुछ ज्ञान भी होना चाहिए।

(15) राजनीति शास्त्र

उम्मीदवारों को राजनीति शास्त्र ग्रौर उसके इतिहास का ज्ञान होना चाहिए। राजनीति शास्त्र का ज्ञान केवल विधि-निर्माण के सिद्धान्त के रूप में ही नहीं, वरन् राज्य के सामान्य सिद्धान्त के रूप में भी होना चाहिए। सांविधिक ग्रासन के प्रकारों (प्रति-निधि सरकार, संघवाद ग्रादि) श्रौर लोक प्रशासन—केन्द्रीय श्रौर स्थानीय—पर भी प्रश्न पुछे जायेंगे। उम्मीदवारों को वर्तमान संस्थाओं के उद्भव श्रौर विकास का भी ज्ञान होना चाहिए।

(16) समाज विज्ञान

समाज विज्ञाम की प्रकृति श्रीर क्षेत्र; समाज का अध्ययन, समाज विज्ञान श्रीर अन्य सामाजिक विज्ञानों से उसका संबंध ।

मूल धारणाएं, सहत्व एवं कार्य, प्राथमिक एवं गौण वर्ग, सामाजिक संस्थाएं; सामाजिक संरचना, सामाजिक नियन्त्रण एवं ग्रपवर्ती ग्राचरण, सामाजिक इन्द; सामाजिक परिवर्तनः—

मूल सामाजिक संरचनाएं एवं संस्थाएं, विवाह, परिवार एवं रिश्तेदारी; राजनीतिक संस्थाएं; धार्मिक संस्थाएं; सामाजिक स्तरण-जाति, वर्ग एवं वंश ।

वातावरण; समाज एवं संस्कृति;

भारतीय समाज विज्ञान, जाति एवं जाति-बाद; परिवार एवं रिक्तेदारी, ग्राम समाज, श्राधनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन ।

(17) मनोविज्ञाम

सामान्य मनोविज्ञान

मनोविज्ञान की परिभाषा और विषय-वस्तु, मनोविज्ञान की पद्धितियां, श्रनुकूलन एवं श्राचरण क्रियाविधि की श्रवधारणा; श्राचरण का शरीरशास्त्रीय ग्राधार;

- (क) अभिग्राहक-चाक्षुष एवं श्रवण संबंधी ; (ख) नाड़ी-तन्त्र की सामान्य रूप रेखा;
 - (ग) कारक---मांसपेशियां एवं ग्रंथियां :---

मानव विकास के तत्व—-श्रनुवांशिकता एवं पर्यावरण, परिपक्वता एवं शिक्षा प्राप्ति ।

श्रभिप्रेरणा एवं मनोवग---उनकी प्रकृति, किस्म ग्रौर विकास । प्रत्यक्ष ज्ञान एवं उसकी प्रकृति---रूप रंग ग्रौर स्थान ग्रधिगम ----उसकी प्रकृति, ग्रनुकूलन, ग्रन्ट्विट ग्रौर प्रयत्न-बुटि ग्रधिगम तथा स्मरण शक्ति ग्रौर विस्मरण प्रक्रियाग्रों को प्रभावित करने वाले तत्व, स्मरण करने की सफल विधियों ।

चिन्तन भ्रौर तर्क।

प्रज्ञा श्रीर योग्यताएं—-उनकी प्रकृति श्रीर मापन । व्यक्तित्व---प्रकृति, निर्धारक श्रीर मापन ।

असामीन्य मनोविज्ञान

श्रसामान्य श्राचरण—--- श्रवधारणा श्रौर कारण । कुष्ठा श्रौर हन्द, रक्षात्मक युक्ति । मनोवैज्ञानिक विकार—-मनस्ताप एयं मनोविक्षिप्ति ।

व्यक्तित्व एवं मनोशारीरिक विकार

मानसिक विकार के उपचार का सामान्य ज्ञान—मनोरोग चिकित्सा।

सामाजिक मनोविज्ञान

समूह प्रक्रियाएं—~व्यक्ति ग्रौर समूह, नेतृत्व, मनोबल एवं भीड़ का व्ययहार ।

प्रचार और मनोवैज्ञानिक युद्ध ।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षा

इन्टरब्यू के म्रातिरिक्त उम्मीदवारों की सामान्य बुद्धि की जांच करने के लिए मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उन्हें ग्रुप परीक्षण भी दिए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीद-वारों की बुद्धि की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण बास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं ग्रापितु इनसे उसकी सामाजिक विणेषताग्रों तथा सामाजिक घटनाग्रों के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट 111

श्रकादमी स्कूल में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक

- 1. श्रकादमी स्कूल में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा श्रीर जिसमें कोई ऐसी श्रशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में वाधा पड़ने की संभावना हो।
- 2. निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:---
 - (क) कमजोर शरीर गठन श्रपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या मोटापा तो नहीं है।
 - (ख) हिड्डयों और संधियों का कुविकास तो नहीं है और उसमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं आ गई है।

टिप्पणी: मूलांगी ग्रैंव पर्श्वका वाले उस्भीदवार को भी स्वस्थ माना जा सकता है। यदि उसमें रोग के लक्षण नहो। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्रवाई में इस दोश का उल्लेख छोटी-मोटी ग्रशक्तता के रूप में किया जाएगा।

- (ग) हकलाहट तो नहीं है।
- (घ) सिर की कुरचना तो नहीं है, खोपड़ी की हब्दी टूटने के कारण या हडिडयों के दबने से विरूपता तो नहीं आ गई है।

- (क) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है और कोई कान रोग-ग्रस्त तो नहीं है। टॅम्पिनिक मम्ब्रेन में कच्चा जख्म और छेद तो नहीं है। उग्र रांजीर्ण पीयों तो नहीं है। कर्ण शोध के चिह्न तो नहीं है। आमूल कर्नफूल आपरेशन तो नहीं हुआ है।
- टिप्पणी:—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इसको श्रीर क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई टीक पड़ता हो तो इस श्रवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वी-कार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।
 - (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नासा पालिपंस तो नहीं है ग्रथवा नासाग्रसनी का कोई रोग तो नहीं है।
- टिप्पणी:---नासा पट के छोटे श्रलक्षणी ऊवघातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम श्रस्वीकृत नहीं किया जाएगा ऐसे मामलों को जांच और मत के लिए कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।
 - (छ) गर्दन तालु में या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बढ़ी हुई तो नहीं हैं भ्रौर थाइराइडग्रंथि में कोई विल-क्षणता तो नहीं है।
- हिष्पणी:—-तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए गए ग्रापरेशन के निशान उम्मीदवार के ग्रस्वीकृत कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सिक्तय रोग न हुआ हो तथा छाती लणक्षिक जांच तथा एक्स-रे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।
 - (ज) गले व तालू टौसिल या मसूडों का कोई रोग नहीं है ये दोनों स्रोर की स्रधीहलु संधियों की किया पर प्रभाव डालने वाली कोई दीमारी या चोट तो नहीं है।
- िटप्पणीः---यदि बार-बार टौंसिल कोथ होने का कोई वृत्त नहीं तो टांसिलों की ग्रतिवृद्धि ग्रस्वीकृति का कारण नहीं होती।
 - (झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाध्रों का ऋिया सम्बन्धी या ग्रंगिक रोगतो नहीं है।
 - (ङा) फेफड़ों के तपेदिक या इस बीमारी के पूर्ववत् या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।
 - (ट) जिग़र श्रौर तिल्ली के किसी विलक्षणता सहित पाचक तन्त्र का कोई रोग तो नहीं है।
 - (ठ) हर्निया वंक्षण तो नहीं है या उसके होने की प्रवृत्ति तो नहीं है।
- टिप्पणी:--(1) वंक्षण हनिया (जिसकी शस्य-चिकित्सा न की गईहो) श्रस्वीकृति का कारण होगा।
 - (2) जिनका हर्निया का आपरेणन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बणतें कि:
 - (i) श्रापरेशन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो । इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण पस्तुत करना होगा ।

- (ii) पेट की पेशीसमूह सामान्यता ठीक है
- (iii) हर्निया की पुनिवित्ति नहीं हुई है, या शन्य चिकित्सा से संबंधित कोई उल-झन नहीं पैदा हुई।
- (ड) हाइड्रोसील, या निश्चित बैरिकोसील या जननेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खरानी तो नहीं है।
- विशेष ध्याम वें-(1) यदि हाड्डोसील के आप्रेशन के बाद कोई रज्जु और श्रण्डग्रंथियों की विलक्षणताएं न हों श्रौर फाइलेरिया का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।
 - (2) यदि एक श्रोर की श्रन्तः उदरीय श्रण्डग्रन्धि श्रारोही हो तो इस श्राधार पर उम्मीदवार को श्रस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी श्रण्डग्रंथि के कारण सामान्य हो तथा इस श्रारोही श्रण्डग्रंथि के कारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक उग्र प्रभाव न हो। यदि श्रारोही श्रण्डग्रन्थि वक्षण नलिका में श्रथवा उदरीय वलय में रुकी हो श्रोर श्रापरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
 - (ढ) फिस्टुला श्रौर/या गुटाका विवर या बवासीर के मस्से तो नहीं हैं।
 - (ण) गुर्दों को कोई बीमारी तो नहीं। ग्लूकोजमेह या एलब्यूमिन मेह के सभी मामले ग्रस्वीकृत कर दिए जाएंगे।
 - (त) ग्रस्थायी ग्रथवा माम्ली क्षत-चिह्नों को छोड़ कर कोई एसा चर्म रोग तो नहीं है। जिससे प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदनार में ग्रणक्यता या बहुत प्रधिक कुरूपता ग्रा गई हो या ग्राने की सम्भावना हो तो उस उम्मीदनार को इसी ग्राधार पर ग्रस्वीकार किया जाएगा।
 - (थ) कोई सिकिय गुप्त या जन्मजात रितज रोग तो नहीं है।
 - (द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी भ्राती हो, जिनका पेशाब वैसे ही नीद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।
 - (ध) भेंगापन या श्रांख या पलकों को कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।
 - (न) सिकय रोहे (ट्रकोमा) या इसकी जटिलताएं तो नहीं हैं।

दिथ्पणी: — प्रवेश से पूर्व इलाज के लिए श्रापरेशन करवा जाएं। श्रन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारन्टी नहीं दी जा सकती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या श्रापरेशन वांछनीय है या श्रावश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकिरसा सलाहकार को ही करना है। श्रापरेशन के परिणाम श्रथना किसी श्रीर खर्चे का दायित्व सरकार श्रपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, बजन तथा छाती के नापों के लिए मानक।

(क) **क**व :

- (1) उम्मीदबार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। इस समय वजन एड़ियों पर होना चाहिए। पंजे पर या पांव के बाहरी पाश्वों पर नहीं। यह बिना श्रकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एड़ियां पिडलियां, नितम्ब श्रीर फन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी तीचे की श्रोर रखी जाए ताकि सिर का स्तर श्राड़ी छड़ के नीचे श्रा जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलब भिन्न की उपेक्षा की जाएगी, 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे श्रधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।
- (2) उम्मीदवार के लिए न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिए 157 सेंटीमीटर है) किन्तु, गोरखा, नेपाली, आसामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिए नीचे (ख) (i) में दी गई उनसे संबंधित सारणी में दिखाए गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है।

मौसेना के लिए

मणिपुर, मेघालय श्रौर विपुरा के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर श्रौर लक्ष दीव के उम्मीदवारों का कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

(ख) यजन: (i) उम्मीदबार का बजन पूरी तरह से कपड़े उतरवा कर या केवल जांघिया के साथ किया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलो-ग्राम को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। श्रायु, कद तथा श्रीसत वजन विषय परस्पर संबंधी सारणी निदेश के लिए दी जा रही है।

पिछले जन्म	·	বজ	न		2	3	4
दिवसः को भ्राय		^ श्रौसत	 श्रौसत	19	160. 0 तथा 165. 0 से कम 165. 0 तथा 172. 5 से कम	44.5	56.0 60.5
٩		न्यूनतम	ग्रधिक- तम		172. 5 तथा 178. 0 से कम 178. 0 तथा 183. 0 से कम	53.5 58.0	65.0 69.5
1	2	3	4		183.0 तथा इससे ऋधिक	62.5	
वर्ष	सेंटीमीटर	किलो- ग्राम	किलो- ग्राम	20 तथा भ्रधिक	160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम	45.5 50.0	56.5 61.0
17-18	157. 5 तथा 165. 9 से कम	43.5	55.0		172. 5 तथा 178. 0 से कम	54.5	66,0
	165.0 तथा 172.5 से कम	48.0	59.5		178.0 तथा 183.0 से कम	59.0	70.5
	172, 5 तथा 183, 0 से कम 183, 0 से ग्रिधिक	52.5 57.0	64.0		183.0 से ग्रधिक	63.5	

केवल नौसेमा के लिए

कद और वजन

सेंटीमीटरों में ऊंचाई	157 1	60	162	165	168	170	173	175	178	180	183	185	188	190	193	195
भ्रायु वर्षों में									कि०	ग्रा० में	वजन					
18	47	48	50	52	53	55	57	5	9 61	L 63	65	67	70	72.	74	77
20	49	50	52	53	5 5	57	59	6	1 62	2 64	67	69	71	73	76	78
22	50	51	53	5 5	5 7	58	60	6	2 63	65	67	70	72	74	77	78

(ii) कद तथा ध्रायु के संबंध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। ध्रतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिये गये ध्रौसत वजन से 10 प्रतिशत नौसेना के मामले में 6 कि ग्रा० कम-ज्यादा होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के भ्रन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपयुक्त मानक से भ्रधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के भ्रधिक वजन का कारण भारी हिडयों ध्रौर पेशीय विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिसका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपयुक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की भ्रपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन भ्रौर भ्रानुपातिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती: छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए भीर फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदवार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा किया जाए कि उनके पांव जुड़े हों भीर उनकी बाहें सिर के उपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्दे इस प्रकार से लगाया जायेगा कि पीछे की भ्रोर उसका उपरी किनारा असफलकों (शोल्डर व्लैंड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर ऐंगिल्स) के साथ लगा रहे भीर इसका निचला किनारा सामने चूचकों के उपरी भाग से लगा रहे। फिर वाहों को नीचा किया जाएगा थ्रीर इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या पीछे की ओर झुके न हों जिससे कि फीता हट जाए जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा भीर छाती का श्रिधकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख

लिया जाएगा । श्रधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 इत्यादि ।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलय भिन्न की उपेक्षा की जाएगी 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे श्रधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

नौसेना के लिए:---छाती का एक्सरे अनिवार्य है।

वांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिये कि चबाने के काम भ्रच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

- (क) स्वीकृत होने के लिए यह श्रावश्यक है कि उसने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किये हों। किसी भी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर श्रच्छी तरह सटे श्रीर दूसरे जबड़े के श्रनुरूप दांतों को निम्न प्रकार के प्वाइंट दिए जाएंगे:—
 - (i) वीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रवनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक-एक प्वाइंट।
 - (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी बाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी बाड़ प्रत्येक के लिए दो-दो प्वाइंट । पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिए जायेंगे ।

- (ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे ग्रन्छी तरह काम लिया जा सके:—
- (i) श्रागे के 6 में से कोई 4 दांत;
- (ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत ।

दिप्पणी : जिन उमीदवारों के नकली दांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीन्न पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा । जिन उम्मीदवारों का पायरिया दंत श्रधिकारी की राय में बिना दांत निकाले श्रच्छा किया जा सकता है उन्हें स्वीकार किया जा सकता है ।

(5) दुष्टिमानक (सेना):

(ग्रच्छी ग्रांख)	(खराब ग्रांख)	
दूर की नजर (चश्मा लगाकर)	6/6	6/18

किसी एक याम्योत्तर (मेरीडियम) में निकट दृष्टि (मायो-पिया)—3.5 डी० से अधिक नहीं । किसी एक याम्योत्तर (मेरीडियम) में दृष्टि (होइपर मेट्रोपिया) 3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी: 1. फेन्ड्स तथा मीडिया स्वस्थ है तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

- वर्धान निकट दृष्टि के सूचक विटियस् या कोरियो-रेटीना के ग्रनावण्यक न्यपगनन चिह्न न हों।
- दोनों भ्रांखों में द्विनेत्री (बाइनोक्कुलर) दृष्टि संयमित शक्ति श्रीर पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए ।
- कोई ऐसा भ्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन श्रथवा खराब होने की संभावना हो ।

वृष्टिमानक (नौसेना):

(क) दृष्टि तीक्षणता

मानक-1

दूर की नजर

श्रच्छी श्राख खराब श्रांख वी 6/6 औ 6/9 चश्मा सहित 6/6

नौ-सेना (i) ---वृष्टिमानक 1:

कार्य-पालक शाखा के उम्मीदवार चश्मा नहीं लगाएंगे लेकिन नौ-सेना मुख्यालय की श्रनुमित से इस मानक में, ढील दीजा सकती है। इन्जीनियरी, इलैक्ट्रिकल, सप्लाई श्रीर सचिवालय शाखा के सब प्रकार उपयुक्त उम्मीदवारों के मामले में 6/18, 6/36 तक ढील दी जाए बशर्ते कि चश्मा लगाने पर दृष्टि 6/6 हो।

(ii) विशेष अपेक्षाएं-----

"रात में नजर का मानक—जिन उम्मीदवारों में शुष्काक्षिपाक (जीरोफ्थैल्मिया) विगमेंट्री श्रपविकास कोरियारेटिना में विचलन, ग्रपसामान्य परितारिका ग्रीर उसके लक्षण होने का संदेह हो लेकिन जो ग्रन्थण हर प्रकार से स्वस्थ हों, नौ-सेना में भर्ती करने से पहले उनकी विस्तृत एन० वी० ए० जांच होगी। जो ग्रेड 11 (ग्यारह) तक न पहुंचेंगे (डेलाकासा-ग्रच्छी बहुत श्रच्छी) उन्हें ग्रस्वीकार कर दिया जाएगा।

. जिस उम्मीदवार की डेलाकासा जांच न की जाएगी उससे निम्नलिखित प्रमाण-पत्न लिया जाएगा :---

"मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रतोंधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदंस्य की भी जन्म से रतोंधी नहीं है।"

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान नेत्र विचलन प्रवृत्ति

नेन्न विचलन प्रवृत्ति मेडोक्स राङ विगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि ग्रिभिसरण दोष तथा ग्रन्थ रोग लक्षण न हों) निम्नलिखित से ग्रिधिक नहीं होनी चाहिए :—

(事)	.6 मीटर की दूरी से		
	एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
	इसोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
	हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ख) 30 सें० मी० की दूरी से
इसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्टर
एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्टर
हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्टर
कार्यान्वित स्तर

दूर दृष्टिता की सीमा (होमाट्रोपिना के श्रन्तर्गत) सही श्रांख दूर दृष्टिता 1.5 डायोप्टर

साधारण दूर दृष्टिसा वैषम्य

 75 डायोप्टर दूर दृष्टिता मैरिडियन का दोष

संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

 डायोप्टर से ग्रिधिक नहीं होना चाहिए इसमें से 1.0 डायोप्टर से ग्रिधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।

दूर दृष्टिता

सबसे खराब श्रांख 2.5 डायोप्ट्रस

साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य डायोप्ट्रेस
 दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5
 डायोप्ट्रेस से श्रधिक नहीं होना चाहिए, इसमें से 0.75
 डायोप्ट्रेस से श्रधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए। निकेट बुध्य (मायोपिया)--

किसी भी एक मैरेजियम में 0.5 डायोम्ड्रेस अक्रिक नहीं होना चाहिए।

किनेत्री पुष्टि:—उम्मीदयार की दिनेत्री दिष्ट ठीक होनी चाहिए। (दोनों प्राखा म प्यूजन फकल्टी घ्रोर पूर्ण दृष्टि क्षत्र होना चाहिए)।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

प्राथमिक रंगों को पहचानने की ध्रसमर्थना के कारण किसी उम्मीदवार को ध्रस्वीकार नहीं किया जाएगा किन्तु तथ्य को कार्यवाही में रिकार्ड कर लिया जायेगा तथा उम्मीदवार को इसकी सुचना देवी जाएगी। (नौ-सेना के लिए लागू नहीं है)।

6. अवण मामक

श्रवण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहां स्रावस्यक क्षोगा श्रव्यता मापी (श्राडियोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगें।

- (क) बाक परीक्षा:—उम्मीदवार को जो एक उचित ढंग से ज्ञान्त कमरे में परीक्षक की श्रोर पीठ करके 609.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की श्रावाज सुनाई पड़मी चाहिए। परीक्षक को भविष्यिट वायु से फुसफुसाना चहिए श्रम्मात वह साधारण निःश्वास श्रन्त में लेगा।
- (ख) श्रम्थता नितिक रिकार्ड :-- उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइकिल प्रति सेकिन्ड की प्राकृति पर सुनना चाहिए। (श्रव्यतामितिक पाठ्यांक + 10 तथा -- 10 के बीच होना चहिए) (नौ सेना के लिए लागू नहीं हैं)।

परिशिष्ट IV

सेवा ग्रादि के संक्षिप्त विवरण नीचे विए गए हैं :---

- (का) भारतीय सेना श्रकादमी, देहराष्ट्रन में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए :--
 - 1. भारतीय सेना प्रकादमी में भर्ती करने से पूर्व :---
- (क) इसे इस धामय का प्रमाण पक्ष देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम स्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाय या ऊपर निदिष्ट किसी कारण से या धन्यया धावश्यक किसी सर्जिकल धापरेशन या संवेदनाहरण दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक धशक्तता धा जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को किसी सरकार के विरुद्ध मुधावजे या श्रम्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) उसके माता-पिता या संरक्षक की इस माशय के बन्ध-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंकरण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले कापस भाना चाहता है या कमीशन श्रस्त्रीकार कर देता है दो उस पर किए गए मिक्सा, मुल्क, भोजन, वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए बेतन और भन्ते की कुल राणि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

- 2. श्रन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जायगा। इन उम्मीदवारों के नाम सेना ग्रिधिनियम के ग्रिधीन ''जैन्टलमैन-कैंडट'' के रूप में दर्ज किया जायगा। जैटलमैन कैंडट पर साधारण श्रनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना श्रकादमी के नियम श्रीर विनियम लागू होंगे।
- 3. यश्चिष, श्रावास, पुस्तकें, वर्धी, बोर्डिंग श्रौर चिकित्सा सिहत, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह श्राशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना जेब खर्च खुद बर्दाश्त करेंगे। भारतीय सेना श्रकादमी में (उम्मीदवार का) न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 रु० से श्रीधक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या श्राशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 350.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पाल नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पालता निर्धारित करने के लिये श्रचल सम्पत्तियों, और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जायगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक िक्सी प्रकार की विसीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें ग्रपने पुत्र/ संरक्षित के भारतीय सेना ग्रकादमी में प्रशिक्षण के लिये ग्रंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद ग्रपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक भावेदन-पन्न देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट ग्रपनी सिफा-रिश सहित भारतीय सेना ग्रकादमी , देहरादून के कमांन्डेन्ट को भग्रेषित कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिय श्रंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को धाने पर, कमान्डेंट के पास निम्न-लिखित राशि जमा करनी होगी :--

(क) प्रति मास 55.00 रु० के हिसाब से पांच महीने का जेंब खर्च

275.00

(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिये

800.00

जोड

1075.00

275.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राणि में से नीचे लिखी राणि वापस कर दी जाएगी :---

55.00 ६० प्रति माह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च

- भारतीय सेना श्रकावमी में मिम्नसिखित छात्र वृत्तियां उपलब्ध हैं:---
- (1) प्रसुराम माऊ पटबर्धन छात्र-बृत्ति: यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडटों को दी जाती हैं। इस छात्र-वृत्ति की राशि प्रधिक से प्रधिक 500.00 ए० प्रति वर्ष है जो कि फैडट को, भारतीय सेना धकादमी में रहने की भवधि के दौरान थी जाती है बशर्ते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीद-बारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी भन्य सरकारी वित्रिं सहायता के हकदार न होंगें।

2. कर्नल केंडल फ्रेंक मैमोरियल, छात्रवृति--

इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पाल मराठा कैंडट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुल्ल हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के प्रतिरिक्त होती है।

- 6. भारतीय सेना श्रकादमी के प्रत्येक कैडट के लिये सामान्य शर्तों के श्रन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के श्रनुसार परिधान भत्ता श्रकादमी के कमाडिंट को सौंप विया जाएगा । इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह (क) कैडेट को कमीशन दिए जाने पर दे दी जाएगी।
- (ख) यदि कैंडेट को कमीशन नहीं यिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भक्ते से खरीवे गये वस्त्र तथा श्रन्य श्रावश्यक चीजें कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैंडेट त्यागपन्न दे दे, या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुश्रों को उससे वापस ले लिया जायगा। इन वस्तुश्रों का राज्य के सर्वोत्तम हित को वृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- 7. सामाण्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान स्थाग पन्न देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । जिस सिविलियन उम्मीदवार को प्रशिक्षण का संपूर्ण पाठ्यकम पूरा करने के योग्य नहीं समझा जायगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थि-तियों में उम्मीदवार को अपनी रेजीमेंट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।
- 8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जाएगा । कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख के अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।
- 9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित प्रफसरों के समान वेतन भक्ते, पेन्शन, भीर छुट्टी दी जायेगी तथा सेवा की श्रन्य शर्तों भी वही होंगी जो सेना के नियमित भ्रफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

' प्रशिक्षण :⊸–

10. भारतीय सेना, श्रकादमी में श्रामीं कैंडट को जेंटलमेंन कैंडट का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैन्ट्री के उप यूनिटों का नेतृस्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक पूर्ण करने के उपरांत जैंटलमैन कैंडटों को सैकिण्ड लेफ्टिनेन्ट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्तों कि वे एस० एच० ए० पी० ई० में शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

11. सेवा की शतें:---

(i) वेतन :----

रैंक		वेतनमान			
			रुपए		
सैकिण्ड लैंपिटनेन्ट			750-790		
लैफ्टिनेन्ट			830-950		
कैप्टन			1250-1550		
मेजर .			1650-1800		
लैफ्टिनेन्ट-कर्नल (प्रव	रण से)		1800-1950		
लैफ्टिनेन्ट-कर्नल (सम	यमान)		1 800 नियस		
कर्नल .	•		1950-2175		
व्रिगेडियर .			2200-2400		
मेजर-जनरल			2500-125/2-2750		
लैफ्टिनेस्ट-जनरल			3,000 प्रतिमास		

(ii) भरते :---

वेतन के ग्रतिरिक्त ग्रफसरों को इस समय निम्नलिखित मत्ते मिलसे हैं:—

- (क) सिविलियन राजपित ग्रफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शतों के बनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंगहाई भन्ने दिए जाते हैं।
- (ख) 50/- २० प्रतिमास की दर से किट श्रनुरक्षण मत्ता।
- (ग) प्रवास भला जब घफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के मनुसार 50/- २० से 250/- २० तक प्रति मास प्रवास भत्ता।
- (घ) वियुक्ति भक्ता जब विवाहित ग्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे ग्रफसर 70/- २० प्रतिमास की दर से वियुक्ति भक्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं:

(iii) तैनाती :

स्थल सेना श्रफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जासकते हैं।

(iv) पदोन्नित

(क) स्वाई पद्योशनति :

उच्चतर रैकों पर स्थाई पदोन्मति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:---

समयमान से

लेफ्टिनेन्ट कैप्टन मेजर 2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
 6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
 13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

6 मास

मेजर से लैक्टिमेन्ट कर्नल यदि 24 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा प्रवरण से पदोन्नित न हुई हो

प्रवरण से

लैफ्टिनेस्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडिय र	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेस्ट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं है।

(ख) कार्यकारी पद्योग्नति :

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, भ्रमसर उच्चतर रैकों परकार्यकारी पदोन्नति के लिये पाक्ष होंगे वणर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों:--

कैप्टन .		3 वर्ष
मेजर .	•	5 वर्ष
लै फ्टिनेस्ट-कर्न <i>ल</i>		6-1/2 वर्ष
कर्नल ,		8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर		12 वर्ष
मेजर जनरल		20 ধর্ম
लेपिटनेन्ट-जनरल		25 वर्ष

(श्व) नौसेना अकावभी, कोश्वीन में भरती होने बाले उम्मीव-वारों के लिए:---

- 1. (क) जो उम्मीदवार ग्रकादमी में प्रशिक्षण के लिये ग्रन्तिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना की कार्य-कारी शाखा में कैंडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना ग्रकादमी, कोचीन के प्रभारी ग्रक्तिस के पास निम्नलिखित राणि जमा करानी होगी।
- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए, श्रावेदन पन्न नहीं दिया हो :
- (2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए धावेदन पत्न दिया हो :

				₹৹
(i)	45.00 €0	प्रति मास	की	
	दर से दो मार	प्त केलिए	र जेब	
	खर्च	•		90.00
(ii)	कपड़ों ग्रीर	सज्जा-स	तामग्री	
	के लिए	•	•	460.00
	जोड़			550.00

- (ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों श्रीर स्थापना में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:—
- (क) कैंडेट प्रशिक्षण तथा नीकार्य प्रशिक्षण . . . 1 वर्ष
- (ग) कार्यकारी सब लैपिटनेंट तकनीकी पाठ्यकम . . 8 मास

(ख) मिडशिपमैन नौकार्य प्रशिक्षण

(व) सब-लैपिटनेंट

पहरा देने का प्रमाण-पक्ष लेने के लिए 3 मास की न्यूनतम समुद्री सेवा।

- (ii) गौसेना प्रकादमी में कैडेटों के प्रशिक्षण, ध्रावास ध्रीर संबद्ध सेवाधों, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता/पिता/ध्रिभभावकों को उनका जेब खर्च घौर निजी खर्च बहुन करना होगा। यदि कैडेट के माता पिता/ध्रिभभावक की मासिक भ्राय 350/— रु० से कम हो घौर वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया प्रथवा ध्रीशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैडेट के लिए 40.00 रु० प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने के इच्छुक उम्मीदवार ध्रपने चुने जाने के बाद शीध्र ही ख्रपने जिला मिजस्ट्रेट के माध्यम से भ्रावेदन पत्र दे सकता है। जिला मिजस्ट्रेट उस भ्रावेदन पत्र को अपनी सिफारिश के साथ निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना, मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा।
- यदि किसी माता/पिता/ग्रिभिभावक के दो प्रथवाउस से श्रधिक पुत्र या श्राश्रित नौसेना जहाजों/स्थापनाश्रों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रह हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की श्रविध के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता/पिता/ग्रिभिभावक की मासिक श्राय 400/-- ए० से श्रिष्ठक न हो।
- (iii) बाद में भारतीय नौसेना के जहाजों श्रौर स्थापनाग्रों में भी उन्हें सरकारी खर्च पर शिक्षा दी जाती है।

भ्रकादमी छोडने के बाद उनके पहले छ: मास के प्रशिक्षण के दौरान उपर्यक्त उन्हें पैरा (ii) के श्रनुसार श्रकादमी में प्रमिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी । नौसेना के जहाजों उनको स्थापनाश्रों में छ: मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोक्षति कर दी जाएगी फ्रौर वे वेसन प्राप्त करने लगेगे, तब उनके माता/पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

- (iv) कैंडेटों को सरकार से नि:शुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इस के श्रक्षावा कुछ ग्रीर कपड़ें भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने ग्रीर उनकी एकरूपता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़ें नौसेना श्रकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैंडेटों के माता/पिता/श्रभिभावकों को वहन करना होगा। विसीय सहायता के लिए ग्रावेदन पन्न देने वाले कैंडेटों को कुछ कपड़ें नि:शुल्क या कर्ज पर दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़ें ही खरीदने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैंग्डेटों को प्रपने मूल रैंक का वही वेतन श्रौर वही भत्ते मिलेंगे जो वे कैंग्डेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या श्रप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे । यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे । यदि उनके मूल रैंक का वेतन श्रौर भत्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैंग्डेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पाल हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राणियों के श्रन्तर की राणि भी मिलेंगी।
- (vi) सामान्यतः किसी कैंडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपन्न देने की भ्रनुमति नहीं दी जाएगी । जिस कैंडेट को भारतीय नौसेना जहाजों भ्रौर स्थापनाभ्रों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समभा जाएगा उसे सरकार के श्रनुमोदन से प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैंड्रेट को उसकी मुल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा। म्ल सर्विस पर वापस जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में दोबारा दाखिल होने का पाल नहीं रहेगा। किन्त् जिन कैडेटों को कुछ करुणाजन्य कारणों के फ्राधार पर त्याग पत्न देने की श्रनुमित दी जाती है, उनके मामलों पर गुणावगुण के भ्राधार पर विचार किया जाता है।
- 2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेता में कैंडेट चुने जाने से पूर्व उसके माता/पिता/ग्रभिभावक को :
 - (क) इस फ्राशय के प्रमाण पन्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह यह भली भांति समझता है कि यदि उसके पुन्न को या ग्राध्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बेलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या ग्रन्य कारण से चोट लगने पर किए गए ग्रापरेशन से या ग्रापरेशन के दौरान मूर्कित करने की ग्रीषधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु

- हो जाएं तो उसे या उसके पुत्र या भ्राश्रित को सरकार से मुभावजा मांगने के दावे का या सरकार से श्रन्थ सह-यता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
- (ख) इस माधिय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के म्राधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले वायस जाना चाहें या यदि कमीधन दिए जाने पर स्वीकार न करें तो शिक्षा, शुरूक, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भर्ते, जो कैंडेट ने प्राप्त किए हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंग जो सरकार निर्णय करें, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।
- 3. वेतन और भत्ते
- (क) वेतन

रेंक	•	वेतनमान सामान्य सेवा					
मिडशिप मैन			270. 00 रुपये				
एक्टिंग सब लैपिटनेन्ट			750.00 रु पये				
सब-लैं पिटनेंट		,4	830870 रुपये				
लै पिटनेंट			1100-1450 रुपये				
लैपिटनेंट कमाडोर	•		1 4 5 0 1 8 0 0 रुपये				
कमान्डर .	,		1750-1950 रुपये				
कै प्टेन	. `		1950-2400 रुपये (कमाडोर वह वेतन				
			प्राप्त करता है जिसके				
			लिए वह कैप्टन के रूप				
			में वरिष्ठता के स्राधार				
			पर हकदार होता है)।				
रियर एडमिरल			2500-125/2-2750				
वाइस एडमिरल	•	•	3000 रुपये				

(ख) भसे

वेतन के प्रतिरिक्त प्रफसरों को निम्नलिखित भरी मिलते हैं :---

- (i) सिविलियन राजपित्रत प्रफसरों पर समय-समय पर लागू दरों भीर मातों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ता मिलता है।
- (ii) 50/-रु० प्रति मास की दर से किट ग्रनुरक्षण भत्ता (कमाडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के श्रफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपये से 250/-तक प्रतिमास प्रवास भता ।

- (iv) 70/→ २० प्रति मास के हिसाब से इन श्रफसरों को नियुक्ति भत्ता मिलेगा :—
 - (i) जिन विवाहित श्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां परिवार सहित नहीं रह सकता।
 - (ii) जिन विवाहित श्रफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा तथा जितनी श्रवधि के लिए वे बेस पत्तनों से धूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) जितनी श्रवधि के लिए वे वेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी श्रवधि के लिए उन्हें मुफ्त राशन मिलेगा।
 टिप्पणी रि-उपर्युक्त के श्रलावा संकट के समय काम करने की राशि, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन, सर्वेक्षण श्रानुतोषिक सर्वेक्षण भत्ता, ग्रईता वेतन/श्रनुदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी शुछ विशेष रियायतें भी श्रफसरों को दी जा सकती हैं।

िटप्पणी II — अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेनांगों के लिए अपनी सेवायें अपित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर बढ़ें हुए वेतनं तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोग्नति

(क) समय मान से मिडशिपमैन से एक्टिंग सब
लेपिटनेन्ट तक . 1/2 वर्ष
एक्टिंग सब लेपिटनेन्ट से सब लेपिटनेंट
सक . 1 वर्ष
सब लेपिटनेंट से लेपिटनेंट तक एक्टिंग
श्रीर स्थायी सब लेपिटनेंट के रूप में 3 वर्ष (वरिष्ठता
के लाभ/ग्रधिहरण के ग्रधीन)

लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमाडोर तक लेफ्टिनेंस्ट कमाडोर से कमाडोर तक

लेफिटनेन्ट के रूप में 8 वर्ष वरिष्ठता

(यदि प्रवरण से पदोन्नति न हुई हो)

24 वर्ष संगणनीय कमीशन प्राप्त सेवा

(ख) प्रवरण से

लेफ्टिनेन्ट कमाडोर से कमाडोर तक

लेफ्टिनेन्ट कमाडोर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठताः

(ख) कमाडोर से कैंप्टन कमाडोर के रूप में 4 वर्ष की तक कैंप्टन से रियर वरिष्ठता एडरिमल

श्रौर उससे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबंध नहीं है ।

5. तैनाती

अफसर भारत भीर विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

टिप्पणी: --- यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह

निदेशक, निजी सेवा, नौसेना, मुख्यालय, नई विस्ली,

110011 से प्राप्त की जा सकती है।

- (ग) अफसर ट्रेंनिंग स्कूल, मद्रास में भर्ती होने बाले उम्मीवबारों के लिए:
- 1. इससे पूर्व कि उम्मीदवार श्रफसर ट्रेनिंग स्कूलः मद्रास में भर्ती हो :---
- (क) उसे इस श्राशय के प्रमाणपत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली-भाति समझता है कि उसे या उसके वैधा यारिसों को सरकार से मुश्रायजा मांगने के दावे का या अन्य सहायता का कोई हक नहीं होगा यदि उसे प्रशिक्षण के वौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हों। जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए श्रापरेशन से या श्रापरेशन के दौरान मूर्षिण्त करने की श्रौषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो, जाए।
- (ख) उसके माता/पिता या श्रिभभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियन्त्रण के श्रधीन हो यदि उर्माधवार कोर्स पूरा होने से पूर्व वापिस जाना चाहे या यि किमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे या श्रफसर दिनिय स्कूल में प्रशिक्षण देते हुए शादी कर ले तो भित्ता शुल्क, वस्त्र वेतन तथा भन्ते जो उसने प्राप्त किर्म हैं, उनका मूल्य या उनका वह श्रंश जो सरकार निर्ण य करे, चुकाने की जिम्मेदारी लेता है।

2-जो उम्मीदबार श्रांतिम रूप से चुने जायेंगे उन्हें श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा । इन उम्मीदबारों को सेना श्रिश्विनयमों के श्रन्तर्गत "जैन्टल मैन कैंडेट" के रूप में भर्ती किया जाएगा । अनुशासन की दृष्टि से ये जैन्टल मैन कैंडेट श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के सामान्य नियमों तथा विनियमों के श्रन्तर्गत रहेंगे ।

3-प्रशिक्षण का खर्च जिसमें ग्रावास , पुस्तकें, वर्दी, भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी ग्रौर उम्मीदवारों को ग्रपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा । कमीणन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्युनतम 55 रुपए प्रतिमास से ग्रधिक की संभावना नहीं है, किन्तु यदि उम्मीद-वार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, पद यात्रा इत्यादि होबी रखताहो, तब उन्हें प्रतिरिक्त धन की प्रावस्यकता होगी । यदि कोई कैंडेट यह रुथ्य पूर्णया ग्रांशिक रूप में न्यूनतम व्यय भीं वहन नहीं कर सकता है तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है कि कैंडेट ग्रौर उसके ग्रभिभावक / संरक्षक की श्राय 350/- रुपये प्रतिमास से कम हो। वर्तमान प्रावेशों के प्रनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपये प्रतिमास है । जो उम्मी-दबार वित्तीय सहायत। प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए भ्रंतिम रूप से चुने जाने के उपरांत एक श्रावेदन प्रपक्ष पर जिले के जिला मजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो श्रपनी सस्यापित

रिपींट के साथ ग्रावेदन-पत्र को कमांडेंट, ग्राफसर ट्रेनिंग स्कूल मदास को भेज देगा।

- 4. घ्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में पहुंचने के उपरांत घंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगीं।
- (क) 55.00 रु० प्रतिमास की दर से दस महीने के लिए जैब खर्च -- 550.00 रुपये।

यदि कैंडेटों को म्रायिक सहायता स्वीकृत की जा रही है तो उन्हें उपर्युक्त धन राशि वापिस की जासकती है।

5. समय-समय पर जारी किए गए श्रादेशों के श्रम्पर्गत परि-धान भक्ता मिल सकेगा ।

कमीणन किए जाने पर इस भत्ते में खरीदे गए वस्त्न, तथा श्रम्य श्रावश्यक चीजें, कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी । यदि कैंडेट प्रणिक्षणाधीन श्रवधि में त्याग-पत्त दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीणन से पूर्व वापस दुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ने लिया जाएगा। इन वस्तुभों का राज्य के सर्वोक्षम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- 6. प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्यागपन्न देने वाले जैटल-मैन कैंडेटों को सेना मुख्यालय के द्वारा त्यागपन्न स्वीकृत होने तक छुट्टी पर जाने की भ्रनुमित दी जा सकती है। उनके जाने से पूर्व उनसे प्रशिक्षण व्यय, भोजन तथा श्रन्य संबंधित व्यय वसूल कर लिया जाएगा। ऐसे कैंडेटों को भ्रपने त्याग-पन्न के साथ अपने माता/पिता/भ्रभिभावक से निम्नलिखित प्रमाणपर हस्ताक्षर करा के धेना होगा:—
- (ii) मैं इस बात की घोषणा करता हूं कि कैडेट——के त्यागपत्र देने के कारण, निर्धारित नियमों के श्रन्तर्गत मैं सभी सरकारी वित्तीय वायित्व श्रपने ऊपर लेने को सहमत हूं।

हस्ताक्षर---

साक्षी ----

- 7. प्रशिक्षण के दौरान श्रनुपयुक्त पाये जाने वाले जैंटलमैन कैंडेंट को बरखास्त कर दिया जाएगा । सेवारत कार्मिक, जिन्हें कमीशन के लिए श्रन्तिम रूप से नहीं चुना जाएगा, पुनः श्रपनी मूल सर्विस में वापस श्रा जायेंगे ।
- कमीशन देने के बाद उनके वेतन, भत्तों, पेंशन, छुट्टी तथा ग्रन्य सेवा शर्ते नीचे लिखे ग्रनुरूप होंगी ।

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना ग्रिधिनियम के श्रन्सर्गत जैटलमैन कैडेटों के रूप में भर्ती किया जाएगा तथा वे श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा करेंगे प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जैन्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने के तारीख से सैकेन्ड लैफ्टिनेंस्ट के पद पर प्रत्यकालिक कमीशन दिया जाएगा।

10 सेवा की शतें:---

(क) परिवीक्षा की अवधि

श्रफसर कमीशन प्राप्त करने की तारीख से श्रफसर 6 मास तक परिवीक्षाधीन रहेगा । यदि उसे परिवीक्षा की श्रमधि के दौरान कमीशन घारण करने के श्रनुपयुक्त पाया गया तब उसे परिवीक्षा श्रमधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय निकाला जा सकता है ।

(ख) तैनाती

श्रत्पकालिक कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदीकाति

नियमित सेना में श्रन्पकालीन कमीशन पांच वर्ष की श्रवधि के लिये दिया जाएगा। ऐसे श्रफसर जो सेना में पांच वर्ष ग्रन्पकालीम कमीशन की श्रवधि के उपरान्त सेवा करने के इच्छुक होंगे, यदि वे हर प्रकार से पान्न तथा उपयुक्त होंगे, तो संबंधित नियमों के श्रन्त-गंत उनके श्रन्पकालीन कमीशन की श्रवधि के श्रंतिम वर्ष में उन्हें स्थायी कमीशन प्रदान करने के संबंध में विचार किया जाएगा। जिन को स्थायी कमीशन मंजूर नहीं किया जाएगा उन्हें श्रगले पांच वर्ष की श्रवधि के लिये श्रन्पकालीन कमीशन में बने रहने का विकल्प दिया जाएगा।

अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अफसर दो वर्ष तक पूर्ण वेतन पर कमीशन सेवा करने के उपरान्त स्थायी लैंपिट० के रूप में पदोन्नति के पान्न होंगे। कार्यकालीन पदोन्नति के संबंध में बही नियम लाग होंगे जो स्थायी नियमित अफसरों पर लागृ हैं।

(घ) वेतन और भक्त

श्रल्पकालीन कमीशन प्राप्त श्रफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित श्रफसरों को प्राप्त होते हैं। सेकेन्ड लैफ्टि॰ और लेफ्टि॰ के वेतन की दरें इस प्रकार हैं:—— सेकेन्ड लैफ्टि॰ 750-790 ६० प्रतिमास लेफ्टि॰ 830-950 ६० प्रति मास तथा श्रन्य भन्ते जो नियमित श्रफसरों को मिलते हैं।

(इ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर श्रन्पकालीन कमीणन श्रफसरों के लिए लागू नियमों से णासित होंगे जो रक्षा सेवाश्रों के लिए श्रवकाण नियमावली भाग-1 थल सेना के श्रष्ट्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के पास आउट करने पर तथा ड्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उपर्युक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के श्रनुसार छुट्टी पर जा सकते हैं।

(च) कमीशन का समापन:

श्रत्यकालीन कमीणन प्राप्त श्रफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय कमीणन समाप्त कर सकती है:

- (1) अवचार के लिए या असंतोषपूर्ण सेवा करने पर, या
- (2) स्वास्थ्य की दृष्टि से श्रयोग्य होने के कारण, या
- (3) यदि उसकी सेवाफ्रों की श्रोर ग्रधिक ग्रावण्यकता न हो या
- (4) यदि वह किसी निर्धारित परीक्षा या पाठ्यक्रम में घर्हतः प्राप्त करने में घ्रसफल होता है।

तीन महीने के नोटिस देने पर एक अफसर को करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पद्म देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसका निर्णायक पूर्णतः भारत सरकार ही होगी। करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीक्षन से त्याग पद्म देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवांत उपदान पाने का पात्र नहीं होगा।

(छ) पेंशन लाभ

- (i) ये ग्रभी विचाराधीन हैं।
- (ii) म्रात्यकालिक सेवा कमीशन श्रयक्तसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रुपए का सेवांस उपदान पाने के हुकदार होंगे।

(ज) रिजर्ब में रहने का वायित्व

5 वर्ष की घरपकालीन कामीशन सेवा पूर्ण करने के बाद या उसमें कमीशन की बढ़ाई गई ग्रवधि के बाद वे 5 वर्ष की ग्रविधि के लिए या 40 वर्ष की घायु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(स) विविध

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्ते, जहां उनका उपयुक्त उपबंधों के साथ भेद न हो, वहीं होंगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू हैं।

संकल्प

सं० 10, दिनांक 5 मई 1975—रक्षा मंत्रालय की केन्द्रीय हिन्दी समिति की उप समिति के गठन के सम्बन्ध में 25 जनवरी 1975 को भारत के राजपत्र के भाग 1 खण्ड 3 में प्रकाशित रक्षा मंत्रालय के दिनांक 23 दिसम्बर, 1975 के संकल्प सं० 1 में निम्नलिखित रूप से संशोधन किया जाता है:---

सरकारी सदस्यों की सूची में कम संख्या 7 के सामने "डा० गोपाल शर्मा, ऋध्यक्ष वैज्ञानिक एव तकनीक शब्दावली भ्रायोग" के स्थान पर "प्रो० हरवंश लाल शर्मा, भ्रध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली श्रायोग" पढें।

आवेश

श्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ-शासित प्रवेशों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, मंदि-मंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, योजना श्रायोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखापाल, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली, लोक सभा सचिवालय एवं राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाएं।

यह भी ध्रादेश दिया जाता है कि यह संकल्प सर्वेसाधारण की सूचना के लिए भारत के राजपन्न में प्रकाशित किया जाए।

राजेन्द्र लाल, संयुक्त सचिष

सं० 11, विनांक 8 मई 1975—शुद्धिपत्न—26 जन-वरी 1960 की मिधसूचना सं० 15-प्रेजि॰/60, के अनुसरण में, जिसके ग्रधीन विवेश सेवा मैडल (श्रोवरसीज मैडल) संस्थापित किया गया था तथा, समय-समय पर यथासंशोधित, 22 जुलाई 1960 की श्रिधसूचना सं० 1399, के कम में, सरकार ने निर्णय किया है कि निम्नलिखित सेवा के लिए कार्मिकों को "बंगलादेश" के क्लास्प सहित मैडल दिया जाए:—

- (क) बंगलादेश में ग्रथवा उसके ग्रासपास सुरंगों की सफाई में लगे कार्मिकों को। इस पुरस्कार की श्रहेंता के निमित्त कार्मिक ने धस्तुतः सुरंगों की सफ़ाई का काम कम से कम एक दिन किया हो। पुरस्कार के लिए पात्रता की ग्रवधि 26 मार्च 1972 से 30 नवम्बर 1972 तक (दोनों दिनों को मिलाकर) होगी।
- (ख) 26 मार्च 1972 को या उसके बाद चिटगांव हिल्स संक्रियाओं में भाग लेने वाले कार्मिकों को। इसके लिए न्यूनतम धहुँक सेवा एक दिन की होगी।
- उपर्युक्त सेवा के लिए मैडल तथा क्लास्प का पुरस्कार
 जुलाई 1960 की ग्रिधिसूचना सं 1399 के पैरा 1,
 5 ग्रीर 6 के उपबन्धों द्वारा शासित होगा।

लक्ष्मेश्वर दयाल, संयुक्त सन्तिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 31st May 1975

No. 9, dated 23rd April, 1975.—A combined examination for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School shall be held by the Union Public Service Commission at such places and on such dates as may be specified in the Notice issued by the Commission in this behalf. The numbers of the courses and the months of their commencement and also the approximate number of vacancies to be offered for entry in each course on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

- 2. Admission to the Indian Military Academy Dehra Dun, Naval Academy Cochin and Officers' Training School, Madras will be made on the results of a written examination to be conducted by the Union Public Service Commission and an interview by a Services Selection Board.
- 3. After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy.
- 4. No candidate shall be permitted to compete more than three times at the examination for the Short Service Commission (Non-Technical) Courses the restriction being effective from the Short Service Commission (Non-Technical) examination held in December, 1973.
- Note:—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in one or more subjects.
- 5. A candidate for the Indian Military Academy Course and/or Naval Academy Course must be an unmarried male and a candidate for the Short Service Commission (Non-Technical) Course must be a male. He must either be—
 - (a) a citizen of India, or
 - (b) a subject of Sikkim, or
 - (c) a subject of Bhutan, or
 - (d) a subject of Nepal, or
 - (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted t_0 the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

Note.—A widower or a person who has divorced his wife cannot be treated as an unmarried male for the purpose of the above Rules.

6. CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARD OF MEDICAL FITNESS ARE SHOWN IN APPENDIX III TO THE NOTIFICATION.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS, TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Caudidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard, they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

7. Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.)

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. Candidates for the Indian Military Academy and Naval Academy Courses must have attained the age of 19 years and must not have attained the age of 22 years on 1st July, 1976 i.e., they must have been born not earlier than 2nd July, 1954 and not later than 1st July, 1957. A candidate for the Short Service Commission (Non-Technical) Course must have attained the age of 19 years and must not have attained the age of 23 years on 1st July, 1976 i.e., he must have been born not earlier than 2nd July, 1953 and not later than 1st July 1957.

THE PRESCRIBED AGE LIMITS CAN IN NO CASE BE RELAXED.

9. A candidate must hold a degree of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than a date which may be fixed by the Union Public Service Commission in this regard.

Note II.—In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I. may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

10 Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services, shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

11. Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

- 12. The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final.
- 13. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-
 - (i) obtaining support for his candidature by any means,
 - (ii) impersonating, or
 - (iii) procuring impersonation by any person, or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
 - (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
 - (vii) using unfair means in the examination hall, or
 - (viii) misbehaving in the examination hall, or
 - (ix) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.
- 14. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Union Public Service Commission.
- 15. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix II to the Notification.
- 16. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

- 17. The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests.
- To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) Services Selection Board lesis as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will then be piaced in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the Services Selection Board tests. The final selection for admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy and the Officers' Training School will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entited to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

- 18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.
- 19. Candidates when called for interview by a Services Selection Board, Medical Examination or for subsequent training will be eligible for travelling allowance in accordance with the rules then in force. Candidates who have previously been before a Services Selection Board for the same type of Commission are not entitled to travelling allowance, when called up for Services Selection Board interviews or Medical Examination on subsequent occasions.
- 20. Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Officers' Training School.
- A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Officer' Training School as the case may be.
- 21. Brief particulars of training and terms and conditions of service during training and of pay and allowances, pension, leave and other conditions after the grant of Commission, are given in Appendix IV to the Notification.

K. V. RAMANAMURTHI,
Deputy Secretary

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India (vide Paragraph 9)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN DURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffleld and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The University of Sind,

UNIVERSITIES IN BANGLADESH

The Dacca University,

The Rajshahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide paragraph 9)

- 1. Shastri of Kashi Vidyapith, Varanasi.
- 2. French Examination "Propedeutique".
- 3. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education
- 4. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
- 5. National Diploma in Commerce of All India Council for Technical Education.
- 6. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government,
- 7. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry provided that the Course has been successfully completed as a "full student".
- 8. Diploma in Mining Engineering of the Indian School of Mines, Dhanbad.
- 9. Diploma in the field of Humanities and Natural Sciences attesting graduation from a Higher Educational Establishment in the U.S.S.R. without defending first scientific thesis but having passed the State Examinations.
- 10. Shastri (with English) or Old Shastri or Sampurna Shastri examination with special examination in additional subjects with English as one of the subjects i.e. Varishta Shastri of Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi.
- 11. Alankar degree of Gurukul Vishwa Vidyalaya, Kangri, Hardwar.
- 12. Bachelor of Arts (B.A) and the Bachelor of Science (B.S.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut, Lebanon.

APPENDIX II

- 1. The Competitive examination comprises:--
 - (a) Written examination as shown in para 2 below.
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Schedule to this Appendix) or such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

- 2. The subjects of the written examination, the time slowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:
- (A) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
Compulsory 1. English 2. General Knowledge 3. Elementary Mathematics	3 Hours 3 Hours 3 Hours	100 100 100

Optional -Any one of the following:

Subject				Code No.	Time allowed	Maximum marks
Physics .	,			01	3 Hours	150
Chemistry .				02	3 Hours	150
Mathematics				03	3 Hours	150
Botany -				04	3 Hours	150
Zoology				05	3 Hours	150
Geology	-	-	-	06	3 Hours	150
Geography				07	3 Hours	150
Geograhpy English Literature	9			08	3 Hours	150
Indian History				09	3 Hours	150
General Economi	ÇS		-	10	3 Hours	150
Political Science			•	11	3 Hours	150
Sociology		•		12	3 Hours	150
Psychology			-	13	3 Hours	150

(B) For admission to Naval Academy

_	Subject	al	Time lowed	Maximum marks	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
_	Compulsory			-	
1.	English	3	Hours	100	
2.	General Knowledge	3	Hours	100	
	Optional				
*3,	Elementary Mathematics or Elementary Physics	3	Hours	100	
* 4.	Mathematics or Physics	3	Hours	ir N te tl a o n w	andidates offer- g Elementary Inthematics will the Physics as neir 4th paper nd candidates ffering Ele- mentary Physics will take Mathe- matics as their th paper.

(C) For admission to Officers' Training School

Subject			Time allowed	Maximum Marks
1. English	•	, 3	Hours 1	100
2. General Knowledge		. 3	3 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 450, 450 and 200 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School.

3. CANDIDATES FOR ADMISSION TO THE INDIAN MILITARY ACADEMY AND NAVAL ACADEMY ARE EXPECTED TO BE FAMILIAR WITH THE METRIC SYSTEM OF COINS, WEIGHTS AND MEASURES IN THE

QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE USE OF METRIC SYSTEM OF COINS, WEIGHTS AND MEASURES MAY BE SET.

- 4. All papers must be answered in English unless otherwise expressly stated in the question paper.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.
- 8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for written subjects will be made for illegible handwriting.
- 9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of wards in all subjects of the examination.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

The standard of the papers in Elementary Mathematics and Elementary Physics will be that of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) ENGLISH

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

(2) GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observations and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

(3) ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers, Commutative, associative and distributive laws. Fundamental Operations addition, subtraction, multiplication, division. Square and Cube roots, Decimal fractions.

Unitary method—applications to simple and compound in terest, time and distance, time and work, profit and loss ratio and proportion, Races.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Multiples and factors, Factorisation theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms and their use.

Algebra :

Basic Operations: Simple factors, Remainder theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. Simultaneous equations in two unknowns. Linear simultaneous equations in three unknowns. Application of equations, Inequalities. Graphs.

Set language, notation, Venn diagram, set operations, solution sets of linear equations (three unknown)—application. Polynomials with rational coefficients. Division algorithm. Laws of indices. AP and GP, Geometric Series, Recurring

decimal fraction. Permutations and combinations. Binomial theorem for positive integral index. Applications of binomial theorem.

Trigonometry:

Trigonometric ratios and identities. Trigonometric ratios of 30° , 45° , 60° , and their use in elementary problems on heights and distances.

Geometry:

Incidence Relations. Order relations in a line. Regions. Orientation in a plane. Pash's axiom. Reflection in a line and in a point. Translation. Rotation Composition of reflections, translations and Rotations. Slide reflections. Symmetry about a line, symmetrical figures. Isometrics. Invariants. Congruence—direct and skew.

Theorems on. (i) Properties of angles at a point (ii) Parallel lines, (iii) sides and angles of triangles, (iv) congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) concurrence of medians, altitudes, perpendicular bisectors of sides and bisectors of angles of a triangle, (vii) properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rhombus, rectangle, square and trapezium, (viii) Cricle and its properties including tangents and normals (ix) cyclic quadrilaterals. (x) loci. Practical problems and constructions involving use of geometrical instruments e.g. Bisection of an angle and segment of a straingles. Tangents to circles, Inscribed and circumscribed circles of triangles.

Calculus:

Functions. Graphs. Limit and continuity. Differential coefficients of functions. Differentiation of elementary functions—polynomial, rational, trigonometric. Differentiation of a function. Differentials. Rates Errors. Second order derivatives.

Integration as the inverse of differentiation. Standard formulae for integration. Integration by parts and substitution.

Mensuration .

Areas of plane figures. Volumes and sufarces of cubes, pyramids, right circular cylinders, cones, and spheres (practical problem involving these will be set and if necessary formulae will be given in the question paper).

Plane Co-ordinate Geometry:

Distance formula. Section formula. Standard forms of the equation of a straight line. Angle between two lines. Condition of parallelism and perpendicularity. Length of the perpendicular from a point to a line. Equation of a circle,

(4) ELEMENTARY PHYSICS

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion. Concept of Force. Units of Force. Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines; Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane. Screw and Gears. Friction, angle of friction, coefficient of friction. Work, Power and energy. Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids—Pressure and Thrust. Pascal's Law. Archimedes Principle, Density and Specific gravity. Application of the Archimedes Principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles' Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; Specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP, humidity, dew point and relative humidity.

- (e) Light.—Rectilinear propagation. Laws of reflection. sperical mirrors; Refraction, laws of refraction. Lenses. Optical instruments camera, projector, epidiascope, telescope, Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound; resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism. Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law; P.D., Resistance, EMF, Resistances in series and parallel. Potentiometer, Comparison of EMFs. Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter, Wattmeter Chemical effect of an electric current electroplating; Electromagnetic Induction. Faraday's Laws; Bask AC & DC generator.

(5) PHYSICS

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions Scalar and vector quantities; Moment of inertia work, energy and momentum. Fundamental laws of my in the property of liquids Rotary pump; Mcleod gauge.

2. Sound

Damped forced and free vibrations: Wave motion, Doppler effect; Velocity of sound waves; Effect of pressure temperature, humidity on velocity of sound in a gas; Vibration of strings, bars, plates and gas columns; Resonance, Beats; Stationary waves; Measurement of frequency velocity aintensity of sound; Musical scales; Accoustics in architecture; Elements of ultrasonics Elementary principles of gramophones talkies and loudspeakers.

3. Heat and thermodynamics

Temperature and its measurements; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases Specific heat and thermal conductivity Elements of the kinetic theory of matter physical ideas of Boltzman's distribution law; Van der Waal's equation of States; Joule Thomson effect; liquifaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light; Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces; Defects in optical images and their corrections; Eye and other optical instruments; Wave theory of light; ferometer; Diffraction; Diffraction of light; Elements of spectroscopy.

5. Electricity and magnetism

Calculation of electric field intensity and potential in simple cases. Gauss theorem and simple applications; Electrometers; Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysterisis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers; Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effects; Electromagetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors. Electronic valves and their simple applications.

Elements of Bohr's theory of atom; Electrons, Cathode rays and X-rays; Measurement of electronic charge and mass.

(6) CHEMISTRY

1. Inorganic Chemistry:

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle. Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronic Theory of Valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's Theory of coordination compounds. Electronic configurations of complexes involved in the common metal-lurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Brons'ed theories of acids and bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification Principles of extraction, isolation (and metallurgy) of important elements.

Structures of hydrogen peroxide, diberene, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorous, chlorine and sulphur.

Inert gases; Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of: Sodium carbonate sodium hydroxide ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. Organic Chemistry:

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkvnes Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols aldehydes, ketones, acids, halides, esters, ethers, acid anhydrides chlorides and amides. Monobasic hydroxy, ketonic and amino acids. Organometalic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumatic acids. Carbohydrates classification and general reactions, Glucose, fructose and sucrose.

Stereochemistry: Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives: Toluene xylenes, phenols, halides, nitro and amino compounds. Benzoic, salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities Van der Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of gases, Ratio of Cp/Cy.

Thermodynamics: The first law of the thermodynamics. Isothermal and adiabatic expansion. Ethalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation,

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics Entropy. Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions. Osmotic pressure, lowering of vapour pressures depression of freezing point elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry: Faraday's laws of electrolysis; conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution: solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; sclubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen concentration; buffer action; theory of indicators,

Reversible cells. Standard hydrogen and calomel Electrodes. Electrode and red-ox-potentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water. Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics; Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction, temperature coefficients and energy of activation Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule: Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids: General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids, Coagulation, Protective action and gold number. Adsorption.

Catalysis: Homogeneous and heterogeneous catalysis. Promotors Poisoning.

Photochemistry: Laws of photochemistry, Simple numerical problems.

(7) MATHEMATICS

PART A

Algebra:

Algebra of sets, relations and functions, inverse of a function, composite function equivalence relation.

Numbers: integers, rational numbers real number (statement of properties), complex numbers, algebra of complex numbers.

Group, Sub-groups, normal sub-groups, cyclic and permutation groups. Lagrange's theorem, isomorphism.

D-Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

Theory of Equations.—Polynomial equations, transformation of equations, relations between roots and coefficients of a polynomial equation, symmetric function of roots of cubic and biquadratic equations location of roots and Newton's method for finding roots.

Matrices.—algebra of matrices, determinants—simple properties of determinants product of determinants, adjoint of a matrix, inversion of matrices, rank of a matrix, application of matrices to the solution of linear equations (in three unknowns).

Inequalities: arithmetic and geometric means, Cauchy_Schwarzinequality (only for finite sums).

Analytic Geometry of two and three dimensions

Analytic Geometry of two dimensions.—Straight lines pair of straight lines, circles, systems of circles. Ellipse parabola, hyperbola (referred to principal axes). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytic Geometry of two dimensions.—Straight lines pair lines and spheres (Cartesian Co-ordinates only).

Calculus and Differential Equation:

Differential calculus: Concept of limit; continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem, Mean value theorem Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index expansion of exponential. Logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions Indeteriminate forms Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, substangent, subnormal asymptotic curvature (cartesian coordina'es only). Envelones. Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus.—Standard methods of integration, Riemann definition of definite integral of continuous functions Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, onadrature valumes and surface areas of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integral.

Convergance of sequences and series, test of convergence of series with positive terms. Ratio root and Gauss tests, Alternating series.

Differential equations: Solution of standard first order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion, Simple pendulum and the like.

PART B

Mechanics: (Vector methods may be used)

Statics.—Representation of a force, parallelogram of forces, composition and resolution of forces and conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Triangle of forces. Like and unlike parallel forces. Moments. Couples. General conditions for equilibrium of coplanar forces. Centre of gravity of simple bodies. Friction-static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane, simple problems, simple machines (lever, systems of pulleys gear). Virtual work (two-dimensions).

Dynamics.—Kinematics—displacement, speed, velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration, Newton's laws of motion Central Orbits, Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse, work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

Astronomy:

Spherical Trigonometry.—Sine and cosine formulae, properties of right-angled spherical triangles.

Spherical Astronomy.—Celestial sphere coordinate system and their conversion. Diurnal motion. Sidereal and solar times, mean solar time, local and standard times, equation of time, Rising and setting of the sun and stars dip of the horizon Astronomical refraction. Twilight, parallax, aberration, precession and nutation. Kepler's laws. Planetary orbits and stationary points. Apparent motion of the moon, phases of the moon.

Astronomical Instruments-Sextant, transmit instrument.

Statistics

Probability: Classical and statistical definitions of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation

Standard distributions: Binomial definition mean and variance, skewness, limiting form simple applications; Poisson—definition, mean and variance, additive property fitting of Poisson distribution to given data; Normal-simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivarlate distribution: Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis: Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error. Simple applications of the normal, t, chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

(8) BOTANY

- 1. Survey of the Plant Kingdam.—Difference between animals and plants: Characteristics of living organism: Unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kingdom.
- 2 Morphology.—(1) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cell.
- (ii) Multicellular plants:—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants,

- 3. Life history.—Of at least one member of the following categories of plants:—Bacteria. Synophycease, Chlorophycease, Phaeophycease, Rhodophycease, Phycompycetes, Asocomycetes Basidiomycetes. Liverworts. Mosses, Pteridophytes. Gymnosperms and Angiosperms.
- 4. Taxonomy.—Principles of classification, principal systems of classification of angiosperms: distinctive features and economic importance of the following families:—

Graminea Scitaminae. Palmaceae. Liliaceae. Orchidaceae. Moraceae Lorantheceae. Magnoliacae, Lauraceae, Cruciferae. Rosaceae. Leguminocae. Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae. Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae. Asclepiadaceae. Dipterocarpaceae, Myrtaceae. Umbeliferae, Labiatae. Solanaceae, Rubiceae. Cucurbitaceae, Vercanaceae and Compositae.

- 5. Plant Physialogy.—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, Photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: plants animal relation, symblosis, parasitism, enzymes, auxims, hormones, photopariodism.
- 6. Plant Pathology.—Cause and cure of plant diseases Disease organisms, Viruses, difficiency disease; Disease resistance.
- 7. Plant Ecology.—The basic facts relating to escology and plant geography, with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.
- 8. General Biology.—Cytology, Genetics, plant breeding Mendelism, hybridvigour, Mutation, evolution.
- 9. Economic Botany.—Economic uses of plants, esp. flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugars and starches, ollseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.
- 10. History of Botany.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

(9) ZOOLOGY

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure habits and life-history of the following non-chordate types;

Amocaba, malarial parasite, a sponge, hydra, liver-flue, tape worm, roundworm, earth worm leech cockroach houseflymosquito, scorpion, freshwater mussel pond snail and starfirst (external characters only).

Economic importance of insects. Blonomics and life-history of the following insects: termitelocust, honey bee and silk moth,

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types.

Branchiostoma; Scolidon; from: Uromastix or and any other lizard (skeleton of Varanus); pigeon (Skeleton of fowl); and rabbit, rat or squirrel.

Elementary knowledge of the histology and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity; adaptation; recapitulation hypothesis; Mendalian inheritance; a-sexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-polsonous snakes; game birds.

(10) GEOLOGY

1. General Geology:

Origin, age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography; weathering and erosion: Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-divisions of India, Vegetation and topography, Volcanoes, earthquakes, mountains diastrophism.

2. Structural Geology;

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks, Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy:

Elementary knowledge of crystal summerty, Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology:

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology;

Elementary study of igneous sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rocks types.

6. Stratigraphy:

Principles of Stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological record. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology:

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

(11) GEOGRAPHY

- (i) Elementary Geomorphology.—Origin of the solar system and the earth; landforms, land sculpture, elementary geology, rocks and soil formation.
- (ii) Climatology.—Climate and its elements, temperature, pressure, humidity, wind system elementary knowledge of cyclones and anti-cyclones, precipitation types of rain.
- (iii) Oceanography.—Distribution of land and water, movements of ocean-water, tides, currents, salinity, deposits of the ocean beds,
- (iv) Plant Geography.—Types of vegetation, their relation to geographical environment, forests, grasslands, deserts, major natural regions,
- (v) Human Geography.—Man in environment, races of mankind, man's activities and distribution of population.
- (vi) Economic geography.—Principal vegetable, animal and mineral products, their distribution and geographical background; principal industries and their localisation; international trade in raw material food stuffs and manufactured goods.
- (vii) Regional Geography,—India in detail and the U.S.A., the U.K., the U.S.S.R., China, Japan South-East Asia, the Middle East, Sri Lauka, Burma and Pakistan in outline.

(12) ENGLISH LITERATURE

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English literature from the time of Spencer to the end of the reign of Oueen Victoria with special reference to the works in the following authors:—

Shakespeare, Milton, Johnson, Dickens, Wordsworth, Keats, Carlyle, Tennyson and Hardy.

(13) INDIAN HISTORY

India from 1600 to the establishment of Indian Republic, including the constitutional developments during this period.

Note.—In this subject candidates should be acquainted with geography in its relation to history and be prepared to draw sketch maps. When a fixed date is given for the beginning of the period candidates will be expected to know in general outline how the initial position was reached.

(14) GENERAL ECONOMICS

Candidates will be expected to have a knowledge of economic theory and should be prepared both to illustrate theory

by facts and to analyse facts by the help of theory. Some knowledge of the economic history of India and the England and of economic conditions in these countries will be expected.

(15) POLITICAL SCIENCE

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms (Representative Government, Federalism etc.) and Public Administration, Central and Local, Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions,

(16) SOCIOLOGY

Nature and Scope of Sociology: Study of Society; Sociology and its relation to other Social Sciences.

Basic concepts: Status and Role; Primary and Secondary Groups; Social institutions; Social structure; Social control and Deviant behaviour; Social Conflict; Social Change.

Basic Social Structures and Institutions: Marriages; Family and Kinship; Political institutions; Religious institutions; Social stratification—Caste, Class and Race.

Environment, society and culture.

Sociology of India; Caste and Casteism; Family and Kinship; Village community; Social change in modern India.

(17) PSYCHOLOGY

General Psychology

Definition and subject matter of Psychology; niethods of Psychology; Concept of adjustment and behaviour mechanism; Physiological basis of behaviour; (a) receptors—visual and auditory; (b) general idea of the nervous system; (c) effectors:—muscle and glands.

Factors in human development—heredity and environment, maturation and learning.

Motivation and emotion—their nature, kind and develop-

Preception and its nature; Preception of form, colour and space.

Learning; its nature; conditioning, insight and trial and

Memory and forgetting—factors effecting the processes; efficient method of memorising.

Thinking and reasoning.

Intelligence and abilities-their nature and measurement.

Personality-nature, determinants and measurement,

Abnormal Psychology

Abnormal behaviour-its concept and causes

Frustration and conflicts; defence mechanisms.

Forms of psychological disorders—neurotic, psychotic, personality and psychophysiological disorders

General idea of treatment of mental disorders—psychotherapy.

Social Psychology

Group processes; individual and the group; leadership; morale and crowd behaviour.

Propaganda and psychological warfare.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning, outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental

calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX III

Physical Standards for Admission to the Academy/School

To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

- 2. It will, however, be ensured that-
 - (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect developments, serious malformations or obesity;
 - (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints
- Note: A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.
 - (c) there is no impediment of speech;
 - (d) there is no malformation of the head or determity from fracture or depression of the bones of the skull.
 - (e) there is no impaired hearing discharge from or disease of either ear, unheated perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative of or evidence of radical or modified radical mastoid operation.
- Note: A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.
 - (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory-sinuses.
- Note: A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion.
 - (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal;
- Note: Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radio-logically clear.
 - (h) there is no disease of the throat, palate, tonsils or gums or disease or any injury affecting the normal function of either mandibular joint;
- Note: Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsilities is not a cause for rejection.
 - there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
 - there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
 - (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen:
 - (1) there is no inguinal hernia or tendency thereto;
- Note: (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

- (2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided:—
 - (i) One year has elapsed since operation.

 Documentary proof to this effect to be produced by the candidates.
 - (ii) General tone of the abdominal masculature is good.
 - (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.
- (m) there is no hydrocele, or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs.
- N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filteriasis.
 - (ii) Undescended intra abdominal testicle, on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;
- (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial Sears which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;
- (q) there is no active, latent or congenital veneral disease;
- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinance of urine or entresis will not be accepted.
- (s) there is no squint or any morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence;
- there is no active trachoma or its complications and sequelae.
- Note.—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Covernment will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

- 3. Standards for Height, Weight and Chest Measurements-
 - (a) Height
 - (i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer side of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm, and above will be recorded as one.
 - (ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Gorkha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NEFA, MEGHALAYA AND TRI-PURA may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES.

(b) Weight-

(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under-pants only. In recording weight, fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance:—

Age Jast	Height without shoes	Weight				
birth day	Total without sincs	Average Minimum	Average Maximum			
Years	Centimetres	Kgs.	Kgs.			
17 to 18	157 · 5 & under 165 · 5 165 · 0 & under 172 · 5 172 · 5 & under 183 · 0 183 · 0 & upwards	43 · 5 48 · 0 52 · 5 57 · 0	55 · 0 59 · 5 64 · 0			
19	160 · 0 & under 165 · 0 165 · 0 & under 172 · 5 172 · 5 & under 178 · 0 178 · 0 & under 183 · 0 183 · 0 & upwards	44 · 5 49 · 0 53 · 5 58 · 0 62 · 5	56 · 0 60 · 5 63 · 0 69 · 5			
20 & up- wards	160 · 0 & under 165 · 0 165 · 0 & under 172 · 5 172 · 5 & under 178 · 0 178 · 0 & under 183 · 0 183 · 0 & upwards	45 · 5 50 · 0 54 · 5 59 · 0 63 · 5	56 · 5 61 · 0 66 · 0 70 · 5			

HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy only

Height in Centi- meters	157	160	162	165	168	170	173	175	178	180	183	185	188	190	193	195
Age (Years) 18 20 22	47 49 50	48 50	50 52 53		₩ 53	55	IN 57 59 60	<i>KILOGRA</i> 59 61 62	61 62 63	63 64 65	65 67 67	67 69 70	70 71 72	72 73	74 76 77	77 78

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (±6 kg for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be over-

weight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesty. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) Chest.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hard loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully note. The minimum and maximum will then be rerecorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored: 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

Fo Navy

"X-Ray" of chest is compulsory.

4. Dental Condition-

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

- (a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good opposition with corresponding teeth in the other jaw—
 - (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar —1 point each.
 - (ii) 1st and 2nd Molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional opposition must be present in each jaw—
 - (i) Any 4 of the 6 anteriors,
 - (ii) Any 6 of the 10 posteriors.

Note.—Candidates for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

- (c) Candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.
- 5. Visual Standard (Army)

Distant vision (corrected)

Better eye Worse eye 6/6 6/18

Myopia of not more than -3.5 D including astigmatism Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

Note 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

- No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive mypoia.
- Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.
- 4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Visual, Standards (Navy)

(a) Visual Acuity

Distant Vision

Standard I Better eye Worse eye
V-6/6 V-6/9

Correctable to 6/6

Navy (i)—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering, Electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements:

"Night vision standard—only candidates, with suspected Xerophthalmia Bigmentary degeneration disturbance of the Choria-Retina, abnormal iris and pupillary conditions, who are otherwise fit in all respects will be subjected to detailed NVA test prior to accepting for service in the Navy. Those who fail to secure Grade II (eleven) Della Casa—good/very good) will be rejected.

A certificate as under will be obtained from each candidate if he is not subjected to Della Casa test:—"

"I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family and I do not suffer from it.

Signature of candidate

Countersignature of the Medical Officer

Colour perception

Standard I MLT (Martin Lantern Test)

Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Road/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed:—

(a) At 6 metres-

Exophoria 8 prism dioptres Esophoria 8 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) At 30 cms-

Esophoria 6 prism dioptres Exophoria 16 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptre

Executed level

Limits of hypermetropia (under homatropine)

Better eye 1.5 dioptres

Hypermetropia Simple Hypermetropic astigmatism.

0.75 dioptres

Compound Hypermet

Hypermetropic The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

Worse eye 2.5 dioptres

Hypermetropia
Simple Hypermetropic Astigmatism

1.5 dioptres

Compound Hypermetropic Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 0.75 dipotre may be due to astigmatism

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptres in any one meridian. Binocular Vision.

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Colour vision.—Inability to distinguish primary colours will not be regarded as cause for rejection but the fact will be noted in the proceedings and the candidate informed. (Not applicable to Navy).

6. Hearing Standard-

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

(a) Speech test.—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to examiner at a distance of 609.5 cm in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric record.—The candidate will have no loss of hearing in either car at frequencies 128 to 4096 cycles per second. (Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy).

APPENDIX IV

Brief Particulars of service etc. are given below :-

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.
- 1. Before the candidate joins the Indian Military Academy-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any miury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infitmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or annesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received, as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy.
- 3. While the cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 350.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources, are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will with his recommendation forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4. Candidates finally selected for training at the Indian Milltary Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month.—Rs. 275 00.
 - (b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00 Total:—Rs. 1075.00

Out of the amount mention of above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—-

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275 00

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy: --
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHA-RASHTRA AND KARNATAK. The value of one scholar-

ship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

COLONEL KLNDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible MARATHA cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a commission; or
 - (b) if he is not granted a commission, refunded to the State.

On being granted a commission articles of clothing and recessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or wichdrawn prior to commissioning. The article withdrawa will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. A civilian candidate who is not considered suitable to complete the full course of training may with the permission of the Army Headquarters be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training :---

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period, of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training. Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd I.t. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

II. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank	Pay scale	Rank	Pay scale
2nd Licut.	750— 790	Lt. Colonel	1800 fixed
Lieut, .	830 950	(Time scale) Colonel	19 50—21 75
Captain	1250—1550	Brigadier	22 0024 00
Major	1650 1800	Maj. General	2500—125/2 2750
Lt. Colonel (By selection)	18001950	Lt. General	3000 p.m.
	18001950	Lt, General	

(ii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

(a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.

- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation allowance: When Officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held, is admissible.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(IIi) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(iv) PROMOTION

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By time scale

Lt. Capt. Major Lt. Col. from	10	6 years 3 years	of of	Commissioned Commissioned Commissioned Commissioned	Service Service
Li, Col. from	Major 2	a years	ot	Commissioned	Service

(if not promoted by selection)

By selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Maj. Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	28 years of Commissioned Service
Gen.	No restriction.

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:

Captain	3 years
Major	5 years
Lt Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt General	25 years

(B) FOR CANDIDATES IOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

- 1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.
 - (1) Candidates not applying for Government financial aid:

(i) Pocke	t allow	ance for	iive	months	
Rs. 45	5.00 per	month ,	• •		225.00
(ii) For it	ems of	clothing a	nd equ	ipment	460.00

ii) For items of clothing and equipment 460.00

Total 685.00

1 year

(2) Candidates applying for Government financial aid:

(i)				o months	90.00
(ii)	For item	is of cloth	bne poir	equip men t	460.00
				Total	550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under:—

(a) Cadets Training including affoat training for 6 months

- (b) Midshipmen affoat Training
- 6 months
- (c) Acting Sub-lieutenants Technical Courses 8 months
- (d) Sub-lieutenants---
- A minimum period of 3 months sea service to obtain a watch-keeping Certificate.
- (ii) The cest of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 350 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet financial assistance up to Rs. 40 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi.

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 400. p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of Selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts.
- (vi) No cadets will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered sultable to complete the full course at the Indian-Naval Ships and Establishments may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.
- 2. Perore a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesth-sia administered to him for the treatment of any injury receive as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food clothing and pay and allowances received, as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) Par

<u> </u>	D		Pay scale	
	Rank		General service	
Midshipman Ag. SubLiet, SubLiet, Lieut, Lieut, Cdr. Commander Captain		Rs. Rs. Rs. Rs. Rs. Rs.	750 830—870 11001450 1450—1800 1750—1950 19502400 (Commodore receives pay to which entitled ac- cording to seniority as	
Rear Admiral		Rs.		
Vice Admiral		Rs.	2750 3000	

(b) Allowances

In addition to pay, an officer receives the following allowances:-

- Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m. (in the case of officers of and below the rank of Commodore only).
- (iii) When officers are serving outside India, expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible
 - (i) married officers serving in non-family stations; and
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.
- NOTE I.—In addition certam special concessions like hardlying money, sub-marine allowance, sub-marine paysurvey bounty/survey allowance qualification paygrant and diving pay are admissible to officers.
- NOTE II.—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time Scale

Midshipman to Ag. Sub. Lieut. 1/2 year

Ag. Sub. Lieut, to Sub. Lieut. 1 year

Sub. Lieut. to Licut.

3 years as Ag. and confirmed Sub-Lt, (Subject to gain/forfeiture of seniority.)

Lieut. to Lieut. Cdr. 8 years seniority as Lieut.

Lieut. Cdr. to Cdrs. (if not promoted by selection).

24 years reckonable commissioned service.

(b) By Selection

Lieut, Cdr to Cdr, 2-8 years seniority as Lieut.

(b) Cdr. to Capt, 4 years seniority as Cdr.

Capt. to Rear Admiral No service restriction, and above.

5. POSTING

Officers are liable to serve any where in India. and abroad.

Nore.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personal Service, Naval Headquarters, New Delhi-110011.

- (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.
- 1. Before the candidate joins the Officers' Training School, Madras.
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marties while under Training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received, as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography. Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 350 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

- 4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month Rs. 550.00

This amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outlit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. Gentlemen cadets resigning after the Commencement of training may be allowed to proceed on leave pending acceptance of their resignation by Army Headquarters. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. Such Gentlemen Cadets are required to submit the following certificates signed by their parents/guardians along with their resignation:—
 - (i) I...... the parent/guardian of Gentleman Cadet of the Officers Training School MAD-RAS do hereby agree to the resignation of my ward GC No..... Name being accepted.
 - (ii) I further declare that I accept all financial liabilities to the State on account of the resignation of Gentleman Cadet in accordance with the rules laid down.

- 7. A Gentleman Cadet who is found unsuitable during the period of training will be discharged. Serving Personnel not finally selected for a Commission will revert to their parent service.
- 8. Pay and allowances, pension leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below:
 - 9. Training
- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt, from the date of successful completion of training.
 - 10. Terms and conditions of Service
 - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve any where in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission, may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those

who are not granted Permanent Commission will be given the option to continue as Short Service Commissioned Officers for a further period of five years.

Short Service Commissioned Officers will be eligible for promotion to the rank of Substantive liut, after completion of 2 years of full pay commissioned Service, Acting promotion will be governed by the rules as applicable to permanent regular officers.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt. and Lieut, are :-

Second Lieut. Rs. 750—790 PM. Lieut. Rs. 830—950 PM. Plus other allowances as laid down for regular officers.

- (c) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commissioned Officers as given in Chapter Y of the Leave Rules for the Service Vol. I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
 - for misconduct or if services are found to be unsatisfactory, or
 - (ii) on account of medical unfitness, or
 - (iii) if his services are no longer required, or
 - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course,

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

- (a) Pensionary benefits
- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.
 - (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will by the same as for regular officers.

New Delhi, the 5th May 1975 RESOLUTION

No. 10.—Ministry of Defence Resolution No. 1, dated 23rd December, 1974, published in the Gazette of India Part I Section 3 dated 25th January, 1975, regarding reconstitution of a Sub-Committee of the Kendriya Hindi Samiti in the Ministry of Defence is amended as under:—

Against Sl. No. 7 in the list of official members

"Dr. Gopal Sharma, Chairman, Commission for Scientific & Technical Terminology".

"Prof. Harvansh Lal Sharma, Chairman, Commission for Scientific & Technical Terminology".

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments, Administrations of the Union Territories, all the Ministries and Departments of the Government of India, President's Sectt., Cabinet Sectt., Prime Minister's Sectt., Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General Central Revenues, New Delhi, the Lok Sabha Sectt., and the Rajya Sabha Sectt.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

RAJENDRA LAL, Jt. Secy.

New Delhi, the 8th May 1975

No. 11.—Corrigendum—In pursuance of Notification No. 15-Pres/60, dated the 26th January, 1960, institut-

ing the Videsh Seva Medal (Overseas Medal) and in continuation of Notification No. 1399, dated the 22nd July, 1960, as amended from time to time Government have decided that medal with clasp 'BANGLADESH' be awarded to personnel for following service:—

- (a) Personnel engaged in mine-sweeping operations in and around Bangladesh. The minimum qualifying service shall be 1 day in actual mine sweeping. The period of eligibility shall be from 26th March, 1972 to 30th November, 1972 (both days inclusive).
- (b) Personnel who participated in Chittagong Hills Operations on 26th March, 1972 or thereafter: minimum qualifying service shall be 1 day.
- 2. The award of the medal and the clasp for the above mentioned service shall be governed by the provisions contained in Paragraphs 1, 4, 5 and 6 of Notification No. 1399, dated the 22nd July, 1960

L. DAYAL, Jt. Secy.